लखनऊ

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

रविवार, 15 मार्च, 2026

वर्ष : 11 | अंक: 203

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

"दुनिया उसी इंसान को याद रखती है जो कई बार गिरने के बाद भी फिर से उठने का हौसला रखता है।"

TODAY WEATHER

DAY 34° Hi

NIGHT 21° Low

संक्षेप

राहुल गांधी का मोदी सरकार पर तीखा वार, यूएस डील के लिए कृषि को कर रहे कुर्बान

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शनिवार को आरोप लगाया कि भाजपा सरकार न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) और अमेरिका के साथ अंतरिम व्यापार समझौते से संबंधित उनके सवालों का जवाब देने से बच रही है और अपने स्वार्थ के लिए भारतीय कृषि की बलि दे रही है। राहुल गांधी ने फेसबुक पर एक पोस्ट में लोकसभा में अपने अतारांकित प्रश्नों के कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी द्वारा दिए गए उत्तरों पर असंतोष व्यक्त किया। राहुल गांधी ने कहा कि लोकसभा में मैंने सरकार से सीधा सवाल पूछा: 2021 में किसानों से किए गए वैधानिक एमएसपी (जो C2+50% की दर से गणना किया जाता है) के वादे को अभी तक लागू क्यों नहीं किया गया है? सरकार ने सीधे जवाब देने से बचते हुए केवल अपनी मौजूदा एमएसपी नीति को दोहराया। उन्होंने आगे कहा कि सरकार ने यह भी स्वीकार किया कि उसने राज्यों पर एमएसपी बोनस बंद करने के लिए दबाव डाला – जिसे उसने बिना किसी तार्किक आधार के राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के नाम पर उचित ठहराने की कोशिश की। जब राहुल गांधी ने उनसे पूछा कि क्या अमेरिका के साथ गैर-व्यापार बाधाओं को कम करने की भारत की प्रतिबद्धता आनुवंशिक रूप से संशोधित फसलों, एमएसपी और सार्वजनिक खरीद पर भारत की नीतियों को प्रभावित करती है, तो उन्होंने कहा कि सरकार इस सवाल से भी बच निकली और किसानों के प्रति अपने रवैये की आलोचना की।

घबराहट में आकर न करें एलपीजी बुकिंग, देश में ईंधन की पर्याप्त आपूर्ति, सरकार ने लोगों से की ये अपील

नई दिल्ली। सरकार ने कहा कि देश में रसोई गैस (एलपीजी) का घरेलू उत्पादन करीब 30 प्रतिशत बढ़ गया है और पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बावजूद भारत में ईंधन की पर्याप्त आपूर्ति मौजूद है।
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में संयुक्त सचिव (मार्केटिंग और ऑयल रिफाइनरी) सुजाता शर्मा ने एक अंतर-मंत्रालयी ब्रीफिंग में कहा कि 5 मार्च की तुलना में देश की रिफाइनरियां अब करीब 30 प्रतिशत अधिक एलपीजी का उत्पादन कर रही हैं। उन्होंने कहा कि सरकार लगातार प्रयास कर रही है कि घरों और जरूरी संस्थानों को रसोई गैस की सप्लाई बिना किसी रुकावट के मिलती रहे। शर्मा ने बताया कि एलपीजी सप्लाई में घरों, अस्पतालों और शैक्षणिक संस्थानों को प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि कमर्शियल गैस सिलेंडर राज्य सरकारों को भी उपलब्ध कराए गए हैं, ताकि जरूरत के हिसाब से वे उन्हें प्राथमिकता के आधार पर वितरित कर सकें। सरकार ने यह भी भरोसा दिलाया है कि देश के पास पर्याप्त रिफाइनिंग क्षमता और ईंधन का पर्याप्त भंडार मौजूद है। भारत की मौजूदा कच्चे तेल को रिफाइन करने की क्षमता 258 मिलियन मीट्रिक टन है, और देश की रिफाइनरियां फिलहाल पूरी क्षमता के साथ काम कर रही हैं। शर्मा ने कहा कि इसी वजह से भारत पेट्रोल और डीजल के उत्पादन में लगभग आत्मनिर्भर हो गया है, जिससे इन ईंधनों के आयात की जरूरत कम हो गई है।

जहां से कांग्रेस की सोच खत्म होती है, वहां से हमारा काम शुरू होता है... पीएम मोदी ने क्यों कहा ऐसा

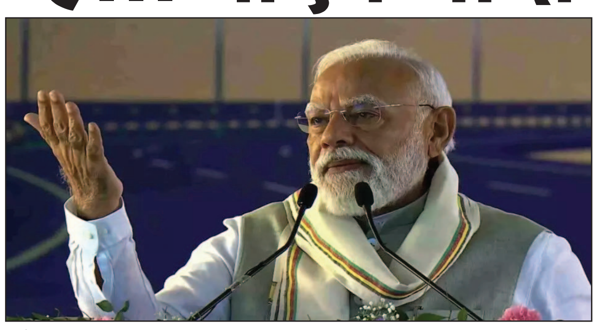

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस पार्टी पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने असम के दौरे पर शिलांग-सिचलर कॉरिडोर का भूमि पूजन किया। इसी के बाद उन्होंने सिलचर में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस वालों के दिमाग का ताला जहां बंद होता है, वहां से हमारा काम शुरू होता है। कांग्रेस एक के बाद एक चुनाव हार रही है, अब निकट भविष्य में कांग्रेस खुद के पराजय की सेंचुरी करने वाली है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आजादी के अनेक दशकों तक कांग्रेस की सरकारों ने नॉर्थ-ईस्ट को दिल्ली से और दिल से, दोनों से ही दूर रखा। कांग्रेस ने नॉर्थ-ईस्ट को एक तरह से भुला दिया था, लेकिन बीजेपी की डबल इंजन सरकार ने नॉर्थ-ईस्ट को ऐसे कनेक्ट किया है कि आज हर तरफ इसकी चर्चा है।

पीएम मोदी ने मुख्य विपक्षी पार्टी को जमकर सुनाया

पीएम मोदी ने कहा कि आज नॉर्थ-ईस्ट भारत की एक्ट ईस्ट पॉलिसी का केंद्र है। दक्षिण पूर्व एशिया के साथ भारत को जोड़ने वाला सेतु बन रहा है। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि जैसे कांग्रेस ने नॉर्थ ईस्ट को अपने हाल पर छोड़ दिया था, ठीक वैसे ही बराक वैली को बेहाल करने में भी उसकी बहुत बड़ी भूमिका रही। जब देश आजाद हुआ तो कांग्रेस ने ऐसी बाउंड्री खींचने दी, जिससे बराक घाटी का समुद्र से संपर्क कट गया। जो बराक वैली कभी ट्रेड रूट और एक औद्योगिक केंद्र के रूप में जानी जाती थी, उस बराक वैली से उसकी ताकत ही छीन ली गई। आज देश का हर राज्य कांग्रेस को सबक सीखा रहा है। कांग्रेस एक के बाद एक चुनाव हार रही है। अब निकट भविष्य में कांग्रेस खुद की पराजय के इतिहास की सेंचुरी मारने वाली है। हार की हताशा से भरी कांग्रेस ने देश के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। कांग्रेस के नेता देश को बदनाम करने में जुट गए हैं।

बराक घाटी का जिक्र पीएम मोदी ने क्या कहा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आजादी के बाद भी दशकों तक कांग्रेस की सरकारें रहीं, लेकिन बराक घाटी के विकास के लिए कुछ खास नहीं हुआ। इस क्षेत्र में विकास को गति देने के लिए अब 24,000 करोड़ रुपए की लागत वाले शिलांग-सिलचर कॉरिडोर का भूमि पूजन किया गया है। कांग्रेस तो यह गिन भी नहीं सकती कि ऐसे प्रोजेक्ट्स में कितने शून्य होते हैं। जहां कांग्रेस की सोच खत्म होती है, वहां से हमारा काम शुरू होता है। यह कॉरिडोर पूर्वोत्तर के लोगों के दशकों लंबे इंतजार को खत्म कर रहा है। इस कॉरिडोर के जरिए सिलचर, मिजोरम, मणिपुर और त्रिपुरा से जुड़ जाएगा।

'कांग्रेस वालों ने इतने साल राज किया लेकिन...'

प्रधानमंत्री ने कहा कि डबल इंजन सरकार किसानों के कल्याण के लिए निरंतर कदम उठा रही है। शुक्रवार को ही गुवाहाटी से मैंने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की अगली किस्त जारी की है। कांग्रेस वालों ने इतने साल राज किया, प्रधानमंत्री तो असम से चुनकर गए थे लेकिन उसके बावजूद भी एक रुपया भी नहीं दिया। कांग्रेस ने असम के युवाओं को सिर्फ हिंसा और आतंकवाद के कुचक्र में ही उलझाए रखा था। कांग्रेस ने असम को 'फूट डालो और राज करो' नीति की प्रयोगशाला बनाया। आज असम के युवाओं के सामने अवसरों का खुला आसमान है।

'हम बॉर्डर के गांवों को देश का पहला गांव मानते हैं'

पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि जो विकास की दौड़ में पीछे रह गया, उसको प्राथमिकता देना बीजेपी का मंत्र है। कांग्रेस की सरकारें बॉर्डर एरिया के देश के अंतिम गांव मानती थीं। हम बॉर्डर के गांवों को देश के पहले गांव मानते हैं। इसलिए बॉर्डर एरिया के विकास के लिए कछार जिले से ही 'वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम' का अगला चरण शुरू किया था। इससे बराक वैली के भी अनेकों गांवों में सुधार होना तय हुआ। किसानों के मुद्दे पर भी पीएम मोदी ने कांग्रेस पर निशाना साधा।

पीएम मोदी ने कोलकाता को दी करोड़ों की सौगात, कहा- पूर्वी भारत के विकास का लिखा जा रहा नया अध्याय

कोलकाता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकात में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, 'आज कोलकाता की धरती से पश्चिम बंगाल और पूर्वी भारत के विकास का नया अध्याय लिखा जा रहा है। सड़क, रेलवे और पोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर, इनसे जुड़ी 18 हजार करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास हुआ है। ये परियोजनाएं पश्चिम बंगाल और पूर्वी भारत को नई रफ्तार देंगे। इनसे व्यापार और उद्योग को बढ़ावा मिलेगा, लाखों लोगों का जीवन आसान होगा।' प्रधानमंत्री मोदी ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, 'आज देश में रेलवे को आधुनिक बनाने का तेज अभियान चल रहा है। हमारा यह संकल्प है कि पश्चिम बंगाल इस अभियान में पीछे न रहे इसलिए केंद्र सरकार पश्चिम बंगाल के रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर का तेज विस्तार करने का प्रयास कर रही है... आज 6 स्टेशनों का अमृत भारत स्टेशन के रूप में पुनर्विकास भी हुआ है।'

पंजाब दौरे से पहले अमित शाह का आप पर हमला, बोले- 'आप-दा सरकार में कानून व्यवस्था खत्म'

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शनिवार को पंजाब के दौरे पर जाएंगे। इस दौरान वे मोगा जिले में आयोजित एक बड़ी रैली को संबोधित करेंगे। पंजाब पहुंचने से पहले उन्होंने सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी पर तीखा हमला करते हुए कहा कि रिमोट कंट्रोल वाली 'आप-दा सरकार' में राज्य से कानून व्यवस्था और विकास दोनों ही नदारद हैं। अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि पंजाब का हर व्यक्ति बदलाव चाहता है। उन्होंने लिखा कि जवानों, किसानों और मेहनतकश लोगों के लिए प्रसिद्ध पंजाब की पवित्र भूमि को 'आप-दा सरकार' ने करप्शन, ड्रग्स और अपराध में डुबो दिया है। उन्होंने अपने पोस्ट में कहा, "रिमोट कंट्रोल वाली आप-दा सरकार में पंजाब से लॉ एंड ऑर्डर और विकास नदारद हैं।"

मोगा रैली को लेकर उत्साह

गृह मंत्री ने आगे लिखा कि वह आज मोगा में भाजपा की 'बदलाव रैली' में पंजाब के बहनों-भाइयों से संवाद करने को लेकर उत्साहित हैं। पार्टी नेताओं के अनुसार यह रैली राज्य में बदलाव और नई राजनीतिक दिशा का संदेश देने का मंच बनेगी।

भाजपा ने बताया रैली का उद्देश्य

भाजपा नेताओं ने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह मोगा के किल्ली चहल में आयोजित विशाल 'बदलाव रैली' को संबोधित करेंगे। इस दौरान पार्टी पंजाब को गुंडागर्दी, नशे और बेरोजगारी से मुक्त कर प्रगति के नए रास्ते पर ले जाने का अपना विजन साझा करेगी।

रैली को लेकर जोरदार तैयारियां

पंजाब में अमित शाह की रैली को लेकर बड़े स्तर पर तैयारियां की गई हैं। पार्टी नेताओं का कहना है कि यह रैली राज्य में विकास, सुशासन और नई राजनीतिक दिशा का दृष्टिकोण प्रस्तुत करने का महत्वपूर्ण मंच साबित होगी।

बाजारों में फ्लैग मार्च

इससे पहले पंजाब भाजपा के कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को ढाका विधानसभा क्षेत्र के प्रमुख बाजारों में फ्लैग मार्च निकाला। यह मार्च इलाके के कई प्रमुख बाजारों और सार्वजनिक स्थानों से होकर गुजरा, जहां लोगों को राज्य में बदलाव और विकास का संदेश दिया गया। साथ ही उन्हें किल्ली चहल में आयोजित रैली में बड़ी संख्या में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया।

पीएम मोदी की कोलकाता रैली से पहले मचा बवाल, भाजपा-टीएमसी कार्यकर्ताओं के बीच जमकर पत्थरबाजी

नई दिल्ली, एजेंसी। शनिवार को मध्य कोलकाता के गिरीश पार्क के पास टीएमसी और भाजपा समर्थकों के बीच झड़पें हुईं। यह पार्क ब्रिगेड परेड ग्राउंड से लगभग 5 किलोमीटर दूर है, जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दिन में बाद में एक रैली को संबोधित करने वाले हैं। भाजपा समर्थकों ने आरोप लगाया कि जब वे प्रधानमंत्री के समर्थन में नारे लगाते हुए रैली स्थल की ओर जा रहे थे, तो अचानक कुछ इलाकों से उन पर पत्थर फेंके गए। एक भाजपा कार्यकर्ता ने एक बंगाली समाचार चैनल को बताया कि बिना किसी उकसावे के हम पर पत्थर फेंके गए। उन्होंने हमें गालियां भी दीं। हालांकि, स्थानीय टीएमसी कार्यकर्ताओं ने इन आरोपों का खंडन किया और दावा किया कि भाजपा समर्थकों ने ही पहले गाली-गलौज की और उन पर पत्थर फेंकना शुरू किया। पश्चिम बंगाल के मंत्री शशि पांजा ने कहा कि मुझ पर ईंट से हमला किया गया। भाजपा कोई गुंडा नहीं है; वह हत्यारा है। शशि पांजा ने कहा कि 50 से अधिक टीएमसी कार्यकर्ता घायल हो गए हैं।

'यूसीसी के नाम पर हिंदू कानून, मुसलमानों पर लागू नहीं कर सकते', ओवैसी बोले- इस्लाम में शादी एक कॉन्ट्रैक्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने हाल में मुस्लिम महिलाओं के हक पर सुनवाई करते हुए कहा कि अब समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने का समय आ गया है। सर्वोच्च न्यायालय की इस टिप्पणी पर सियासी घमासान छिड़ गया है। AIMIM प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कहा, यूनिफॉर्म सिविल कोड के नाम पर हिंदू कानून, मुसलमानों पर लागू नहीं कर सकते हैं। उन्होंने कहा, इस्लाम में शादी महज एक कॉन्ट्रैक्ट है, यह जिम्मेदारी नहीं है।

AIMIM ने शुक्रवार को हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी का एक वीडियो पोस्ट किया। जिसमें उन्होंने कहा, आप UCC के नाम पर हिंदू कानून मुसलमानों पर लागू नहीं कर सकते हैं। निकाह हमारे के लिए धार्मिक संस्कार नहीं है, यह धर्म का हिस्सा है। उन्होंने कहा, जेंडर जस्टिस करने वाले जकिया जाफरी से मुलाकात नहीं करते हैं।

इस्लाम में शादी एक कॉन्ट्रैक्ट: ओवैसी

ओवैसी ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा, समान नागरिक संहिता की चर्चा एक बार फिर से शुरू हो गई है। UCC की बात करने वालों याद रखो कि इस्लाम में शादी एक कॉन्ट्रैक्ट है। जन्म-जन्म की बात नहीं है। उन्होंने कहा, सुप्रीम कोर्ट का जजमेंट है कि हिंदू धर्म में अगर पत्नी ने सास-ससुर की खातिरदारी नहीं की तो यह क्रूरता है, जबकि इस्लाम में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है। मां-बाप की जिम्मेदारी बेटे की है।

आदिवासियों पर लागू होगा हिंदू मैरिज एक्ट?

AIMIM सांसद ने सवाल उठाया कि क्या हिंदू मैरिज एक्ट आदिवासियों पर लागू होगा? ओवैसी ने कहा, अगर हिंदू धर्म में किसी शख्स को अपनी बीवी को तलाक देना है तो उसे पहले बताना होता है कि क्रूरता हुई। 5-10 साल लगातार मुकदमा चलता है।

'एआई कानून नहीं बना सकता' : सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस विक्रम नाथ बोले- इसे उपकरण की तरह इस्तेमाल किया जाना चाहिए

नई दिल्ली, एजेंसी। शनिवार को एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस विक्रम नाथ ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के बढ़ते इस्तेमाल पर महत्वपूर्ण टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि अगर एआई का समझदारी से उपयोग किया जाए तो यह कानूनी कामकाज को आसान बना सकता है और समय बचा सकता है, लेकिन यह किसी भी हालत में वकील की समझ, अदालत के अधिकारी की नैतिक जिम्मेदारी या जज के संतुलित निर्णय की जगह नहीं ले सकता।

जस्टिस नाथ ने कहा कि तकनीक केवल एक उपकरण है और इसे उपकरण की तरह ही इस्तेमाल किया जाना चाहिए। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि एआई नोट या ड्राफ्ट तैयार करने में मदद कर सकता है, लेकिन उसे कानून बनाने या गढ़ने की अनुमति नहीं दी जा सकती।

न्यायाधीश ने फायदे और नुकसान, दोनों पर दिया जोर

इस दौरान जस्टिस नाथ ने इस बात पर भी जोर दिया कि आधुनिक तकनीकें एक तरफ कानूनी कामकाज में मदद कर सकती हैं और अपराध से निपटने में सहायक हो सकती हैं, वहीं दूसरी तरफ इन्हीं तकनीकों का इस्तेमाल करके नए तरह के अपराध भी किए जा सकते हैं। यही आज के समय की सबसे बड़ी विडंबना है। जस्टिस नाथ के अनुसार, इस चुनौती का सामना करने के लिए संस्थाओं को समझदारी से काम लेना होगा। उन्होंने कहा कि तकनीक को केवल इसलिए नहीं ठुकराना चाहिए क्योंकि वह नई है, और न ही उसे केवल इसलिए आंख बंद करके स्वीकार करना चाहिए क्योंकि वह तेज और सुविधाजनक है।

एआई का गलत इस्तेमाल चिंता का विषय

उन्होंने कहा कि एआई का गलत इस्तेमाल एक गंभीर चिंता का विषय है। लेकिन इसका यह मतलब भी नहीं है कि न्यायिक व्यवस्था पूरी तरह से तकनीक से दूरी बना ले। सही रास्ता यह है कि एआई का इस्तेमाल समझदारी, नैतिक जिम्मेदारी और पेशेवर मानकों के साथ किया जाए। लोगों को यह सीखना होगा कि इन तकनीकी उपकरणों का उपयोग सावधानी से करें और उनकी सीमाओं को भी समझें। जस्टिस नाथ ने कहा कि नई तकनीकें कई तरह की सुविधाएं लेकर आती हैं। इससे न्याय तक लोगों की पहुंच बढ़ सकती है और कामकाज में पारदर्शिता भी आ सकती है। लेकिन इसके साथ यह खतरा भी रहता है कि इससे असमानता बढ़ सकती है या तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश किया जा सकता है।

सोनम वांगचुक को तुरंत रिहा किया जाए, गृह मंत्रालय ने जारी किया आदेश, एनएसए केस पर भी केंद्र का यू-टर्न

नई दिल्ली, एजेंसी। सितंबर 2025 में लद्दाख में भड़की हिंसा के बाद हिरासत में लिए गए सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक केंद्र सरकार ने रिहा करने के आदेश जारी किए हैं। गृह मंत्रालय ने यह फैसला राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत प्राप्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए लिया है।

गृह मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि लेह में 24 सितंबर 2025 को उत्पन्न स्थिति के बाद जिला मजिस्ट्रेट के आदेश पर 26 सितंबर 2025 को सोनम वांगचुक को सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से हिरासत में लिया गया था। मंत्रालय ने बताया कि यह इस अवधि का लगभग आधा समय पूरा कर चुके थे। केंद्र सरकार ने कहा, सरकार लद्दाख में विभिन्न हितकारकों और समुदाय के नेताओं के साथ बातचीत कर रही है। ताकि क्षेत्र के लोगों की आकांक्षाओं और चिंताओं का समाधान किया जा सके। सरकार ने स्पष्ट किया कि बंद और विरोध प्रदर्शनों का मौजूदा माहौल समाज के शांतिप्रिय स्वरूप के लिए हानिकारक साबित हुआ है और इसने छात्रों, नौकरी चाहने वालों, व्यवसायों, पर्यटन संचालकों और पर्यटकों सहित समुदाय के विभिन्न वर्गों को तथा लद्दाख की अर्थव्यवस्था को बुरी तरह प्रभावित किया है।

सोनम वांगचुक को क्यों किया गया रिहा?

गृह मंत्रालय ने ने कहा, सरकार लद्दाख में शांति, स्थिरता स्थापित करने लिए प्रतिबद्ध है। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए विचार-विमर्श के बाद सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (NSA) के अंतर्गत प्राप्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए सोनम वांगचुक की हिरासत तत्काल प्रभाव से रद्द करने का निर्णय लिया है।

बता दें कि केंद्र शासित प्रदेश में 24 सितंबर को हुई हिंसा के मामले में चार लोगों की जान चली गई थी। यह हिंसा लेह में लद्दाख को छठी अनुसूची का दर्जा और राज्य का दर्जा देने की मांग को लेकर हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान हुई। करीब 90 लोग हिंसा के दौरान घायल हुए थे। 26 सितंबर को सोनम वांगचुक को लद्दाख में हिंसक विरोध प्रदर्शन भड़काने के आरोप में हिरासत में लिया गया। इसके बाद उन्हें राजस्थान की जोधपुर सेंट्रल जेल में भेजा गया।

सोनम वांगचुक की रिहाई पर केजरीवाल का हमला, बोले- मोदी सरकार की तानाशाही हुई बेनकाब

आम आदमी पार्टी के अध्यक्ष अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को कहा कि केंद्र द्वारा सोनम वांगचुक की हिरासत तत्काल प्रभाव से रद्द किए जाने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार एक बार फिर बेनकाब हो गई है। X पर एक पोस्ट में, केजरीवाल ने वांगचुक की बिना सबूत के हिरासत की आलोचना की और कहा कि इस स्पष्ट तानाशाही का पर्दाफाश होना चाहिए। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार एक बार फिर बेनकाब हो गई है। एक वैज्ञानिक और जलवायु कार्यकर्ता, जिन्होंने अपना जीवन राष्ट्र को समर्पित कर दिया, को बिना किसी सबूत के गिरफ्तार कर लिया गया। जेल में बिताए महीने न केवल उनके लिए व्यक्तिगत नुकसान थे, बल्कि देश के लिए भी नुकसान थे।

मिडिल ईस्ट तनाव के बीच होर्मुज स्ट्रेट से सुरक्षित निकला भारत का एलपीजी जहाज 'शिवालिक'

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच जारी संघर्ष के 15वें दिन भारत के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। भारत का एलपीजी (रसोई गैस) ले जाने वाला जहाज 'शिवालिक' शुक्रवार रात स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को सुरक्षित पार कर गया। जहाजों की आवाजाही पर नजर रखने वाली ट्रैकिंग साइट 'मरीनट्रैफिक' के अनुसार यह जहाज 7 मार्च को कतर से अमेरिका के लिए रवाना हुआ था।

जंग के बीच होर्मुज स्ट्रेट पार करने वाला 'शिवालिक' भारत की सरकारी कंपनी शिपिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया का जहाज है। इसमें करीब 50,000 टन से अधिक एलपीजी ले जाने की क्षमता है। ऐसे में इस जहाज का सुरक्षित निकलना भारत के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि क्षेत्र में तनाव के कारण समुद्री मार्गों पर खतरा बढ़ गया है।

फिलहाल भारत में एलपीजी की कोई कमी नहीं है, लेकिन वैश्विक हालात को देखते हुए कुछ लोग घबराहट में सिलेंडर बुक कर रहे हैं। शुक्रवार को पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने कहा कि गलत सूचनाओं के कारण लोग घबराकर बुकिंग और जमाखोरी करने लगे हैं। उन्होंने बताया कि घरेलू एलपीजी डिलीवरी का औसत चक्र करीब ढाई दिन का है। एलपीजी के डायवर्जन को रोकने के लिए डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड (डीएसी) सिस्टम लागू किया गया है। इस व्यवस्था के तहत ग्राहकों को सिलेंडर प्राप्त करते समय डिलीवरी कर्मी को एक कोड देना होगा।

हत्या या आत्महत्या?: हंसिए से गर्दन कटी, परिजन ने बताया हादसा, गांव में ऐसी चर्चाएं, हर एंगल जांच रही पुलिस

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

गोरखपुर। यूपी के गोरखपुर के पिपराइच थाना क्षेत्र के सिंहोरिया गांव में सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां एक 23 वर्षीय युवती नेहा भारती की संदिग्ध परिस्थितियों में हंसिए से गर्दन कटने के बाद मौत हो गई। परिजन जहां इसे हादसा बता रहे हैं, वहीं गांव में ऑनर किलिंग की आशंका जताते हुए तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं। पुलिस हादसा और ऑनर किलिंग दोनों एंगल पर जांच कर रही है। ग्रामीणों के अनुसार, युवती के पिता कमलेश प्रसाद सऊदी अरब में काम करते हैं। एक माह पहले ही घर लौटे हैं।

जानकारी के अनुसार, सिंहोरिया गांव निवासी नेहा भारती शुक्रवार पूर्वाह्न 11 बजे हंसिए से गर्दन कट

जाने की वजह से गंभीर रूप से घायल हो गई। परिजन उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पिपराइच लेकर पहुंचे। डॉक्टरों ने हालत नाजुक देखते हुए उसे बीआरडी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। मेडिकल कॉलेज में करीब एक घंटे तक इलाज चलने के बाद दोपहर करीब एक बजे नेहा की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पिपराइच पुलिस मेडिकल कॉलेज पहुंच गई और परिजनों से पूछताछ

> युवती की मां ने तहरीर दी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया है। रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे का कार्रवाई की जाएगी।
>
> -ज्ञानेंद्र कुमार, एसपी नार्थ

की। युवती की मां मनोरमा ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि सुबह वह अपनी बेटी के साथ खेत की ओर गई थीं। वहां से लौटने के बाद घर पर नेहा फिसलकर गिर गई और जमीन पर रखा हंसिया उसकी गर्दन में लग गया। इससे उसकी गर्दन कट गई। तुरंत उसकी गर्दन में तौलिया लपेटकर अस्पताल पहुंचाया गया।

हालांकि घटना के बाद गांव में कई तरह की चर्चाएं हो रही हैं। ग्रामीण युवती की हत्या की आशंका जता रहे हैं। कुछ लोग इसे ऑनर किलिंग के एंगल से भी जोड़कर देख रहे हैं। हालांकि इस संबंध में पुलिस को अभी तक कोई औपचारिक शिकायत नहीं मिली है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि घटना की परिस्थितियां संदिग्ध हैं, इसलिए हर पहलू पर जांच की जा रही है।

चार भाई-बहनों में दूसरे नंबर पर थी नेहा

कमलेश भारती की दो बेटियां और दो बेटे हैं। नेहा दूसरे नंबर पर थी। बड़ी बेटी की शादी हो चुकी है, जबकि दो छोटे भाई अभी अविवाहित हैं। परिवार में कमलेश की 65 वर्षीय मां भी रहती हैं। नेहा की मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

बेटी की अनजान युवक के साथ दोस्ती से खफा था परिवार

पिपराइच थाना क्षेत्र के सिंहोरिया गांव में 23 वर्षीय नेहा उर्फ सुबी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत ने इलाके में सनसनी फैला दी है। ग्रामीणों के अनुसार, युवती के पिता कमलेश प्रसाद सऊदी अरब में काम करते हैं। एक माह पहले ही घर लौटे हैं। चर्चा है कि वह नेहा की एक अनजान युवक के साथ दोस्ती से खफा थे। हालांकि परिवार ने मामले को हादसा बताया है। पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है।

कमलेश प्रसाद के चार बच्चे हैं। इसमें दो बेटे और दो बेटियां हैं। परिवार में दूसरे नंबर की बेटी नेहा के अनजान युवक से दोस्ती से पिता असंतुष्ट थे। ग्रामीणों के अनुसार, पिता कमलेश ने विरोध जताया लेकिन वह जिद पर अड़ी रही। इसके बाद में दोनों के बीच में विवाद शुरू हो गया। घटना के बाद बेटी को दर्द से कराहता देख पिता उसे गंभीर हालत में पहले सीएचसी पिपराइच ले गए। प्राथमिक उपचार के बाद उसे बीआरडी मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। इलाज के दौरान दोपहर करीब दो बजे नेहा की मौत हो गई। उधर, घटना की जानकारी मिलने पर ग्रामीण और पुलिस मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। घटना के बाद परिजन घर छोड़कर भाग निकले। बाद में पिता कमलेश प्रसाद ने पुलिस को बताया कि विवाद के दौरान बेटी हंसिया पर गिर गई थी, जिससे चोट लगने के कारण उसकी मौत हो गई। पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है और आसपास के ग्रामीणों से भी पूछताछ कर रही है। थाना प्रभारी अतुल श्रीवास्तव ने बताया कि हर बिंदु पर मामले की जांच की जा रही है। जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पिछले साल कैंपियरगंज में सामने आ चुका है ऑनर किलिंग का मामला

7 अक्तूबर 2025 को कैंपियरगंज क्षेत्र में प्रेम-प्रसंग से नाराज भाई ने घर की इज्जत के नाम पर अपनी 18 वर्षीय छोटी बहन को मार डाला। वह मामा के यहां छोड़ने की बात कह सुबह बाइक से बहन को अपने साथ लेकर निकला था। घर से छह किलोमीटर दूर धमीना नाले की पुलिया पर पहुंचकर बहन को पानी में डुबोकर मार डाला। हत्या के बाद आरोपी भाई आदित्य यादव खुद कैंपियरगंज थाने पहुंचा और पुलिसकर्मियों को बताया कि उसने अपनी बहन को नाले में डुबोकर मार डाला है। उसकी हरकतों से घर की इज्जत मिट्टी में मिल रही थी, इसलिए ऐसा किया। मां की तहरीर पर हत्या का मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने आदित्य को गिरफ्तार कर लिया था।

ईरान–इजराइल युद्ध के बीच संकट में कांच उद्योग... फंसा 500 करोड़ का निर्यात, फिरोजबाद में हजारों लोगों की रोजी–रोटी पर खतरा

आर्यावर्त संवाददाता

फिरोजाबाद। ईरान और अमेरिका-इजरायल के बीच बढ़ते तनाव और युद्ध के बीच सुहागनगरी फिरोजाबाद के विश्व प्रसिद्ध कांच उद्योग को गहरे संकट में डाल दिया है। मिडिल ईस्ट में बिगड़ते हालात और प्रभावित समुद्री मार्गों के कारण कांच और चूड़ियों का निर्यात लगभग ठप हो गया है। कारोबारियों के मुताबिक, करीब 500 करोड़ रुपये का माल विदेशों में फंसा हुआ है, जिससे चिंता बढ़ गई है। अगर हालात जल्द सामान्य नहीं हुए तो कांच उद्योग की रफ्तार थमने का भी डर सता रहा है। इतना ही नहीं, हजारों लोगों के रोजगार पर संकट मंडराने लगा है।

फिरोजाबाद का कांच उद्योग अपनी बारीक कारीगरी और डिज़ाइन के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। यहां से बने कांच सामान और चूड़ियां लगभग 150 देशों में निर्यात की जाती हैं। लेकिन पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण कई प्रमुख समुद्री मार्ग प्रभावित हो गए हैं। निर्यातकों का कहना है कि फ्रांस, जर्मनी, ब्रिटेन और अमेरिका जैसे बड़े बाजारों के लिए भेजे गए ऑर्डर अब बीच रास्ते में अटक गए हैं।

क्यों बढ़ीं मुश्किलें?

जहाजों की आवाजाही प्रभावित होने से माल की समय पर डिलीवरी नहीं हो पा रही है, जिससे निर्यातकों का करोड़ों रुपये का भुगतान भी अटका हुआ है। कांच उद्योग पहले से ही उच्च लागत और गैस की बढ़ती कीमतों से जूझ रहा था। इस समय प्राकृतिक गैस की आपूर्ति में लगभग 3 लाख घनमीटर की कटौती हुई है, जिससे उत्पादन लागत काफी बढ़ गई है। छोटे और मध्यम इकाइयों पर इसका सबसे बड़ा असर पड़ रहा है। फिरोजाबाद का कांच उद्योग सीधे तौर पर लाखों कारीगरों और मजदूरों के रोजगार से जुड़ा है। निर्यात रुका और उत्पादन लागत बढ़ी तो कई इकाइयों में काम धीमा पड़ गया है। यदि हालात लंबे समय तक ऐसे ही बने रहे, तो कारीगरों की रोजी-रोटी पर भी गंभीर असर पड़ेगा।

उद्योगपति और निर्यातकों की अपील

उद्योग से जुड़े व्यापारियों और निर्यातकों का कहना है कि सरकार को इस संकट को गंभीरता से लेते हुए गैस की कीमतों में राहत और निर्यात सुचारू बनाने के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए। अगर समाधान जल्द नहीं आया तो सुहागनगरी की चूड़ियों और कांच के सामान की खनक भी दुनिया में खामोश हो सकती है।

रसोई गैस की बढ़ती कीमतों के विरोध में सपा यूथ ब्रिगेड का प्रदर्शन, राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

सुल्तानपुर। रसोई गैस के लगातार बढ़ते दाम, सिलेंडरों की कमी और कालाबाजारी के विरोध में शनिवार को मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड के कार्यकर्ताओं ने सिटी मजिस्ट्रेट को राष्ट्रपति के नाम संबोधित पांच सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। कार्यकर्ताओं ने गैस के दाम कम करने और वितरण व्यवस्था को पारदर्शी बनाने की मांग उठाई। यूथ ब्रिगेड के जिलाध्यक्ष शहजाद अहमद के नेतृत्व में पहुंचे कार्यकर्ताओं ने कहा कि रसोई गैस के बढ़ते दामों से गरीब, मजदूर, किसान और मध्यम वर्गीय परिवारों पर भारी आर्थिक बोझ पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कई स्थानों पर गैस एजेंसियां कृत्रिम कमी पैदा कर सिलेंडरों की कालाबाजारी कर रही हैं, जिससे आम उपभोक्ताओं को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई कि एलपीजी सिलेंडर के बढ़े हुए दामों को तत्काल कम किया जाए।

गैस सिलेंडर के लिए तीन घंटे से लाइन में खड़ा था शख्स, अचानक गिरकर हो गई मौत

आर्यावर्त संवाददाता

फर्रुखाबाद। उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद शहर में गैस सिलेंडर लेने गए एक बुजुर्ग की हार्ट अटैक से मौत हो गई। मृतक के बेटे ने बताया कि पिता गैस सिलेंडर लेने के लिए लाइन में खड़े थे। तभी अचानक उनकी तबीयत बिगड़ी और वह बेहोश होकर जमीन पर गिर पड़े। आनन-फानन उन्हें एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। हालांकि, इस मामले से जुड़ा एक वीडियो भी वायरल हो रहा है, जिसमें जमीन पर पड़े एक बुजुर्ग को दो युवक बारी-बारी से सीपीआर दे रहे हैं। यह वीडियो गैस एजेंसी के पास का बताया जा रहा है।

मामले की जानकारी देते हुए गढ़ी खान खाना मोहल्ले के मृतक के बेटे शाहनवाज ने कहा कि उनके पिता 75 वर्षीय मुख्तार अंसारी सुबह साढ़े छह बजे घर से सिलेंडर लेने निकले थे। गैस सिलेंडर लेने के लिए लाइन

में लगे थे। करीब नौ बजे वह अचानक से बेहोश होकर जमीन पर गिर पड़े। उनकी हालत बिगड़ती देख मोहल्ले के शमशाद और अन्य लोगों के साथ उन्हें ई-रिक्शे से आवास विकास स्थित हृदय रोग विशेषज्ञ के अस्पताल ले गए।

बेहोश होकर अचानक गिरे

अस्पताल में डॉक्टर ने उन्हें देख मृत घोषित कर दिया। वहीं पुत्र शाहनवाज ने बताया कि लाइन में ज्यादा देर लगे होने से पिता गश खाकर गिर गए थे। अस्पताल में डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ। उदयराज सिंह ने बताया कि बुजुर्ग को उसके परिजन ई-रिक्शा से लेकर आए थे।

हार्ट अटैक से हो गई मौत

वहीं मुख़्तार अंसारी के भतीजे मो। बसीर ने बताया कि ये हमारे चाचा थे, घर मै गैस ख़त्म हो गई थी तो एक दिन पहले गैस एजेंसी से पर्ची लेकर आये थे, एजेंसी पर दूसरे दिन गैस सिलेंडर मिलने की बात कही थी। दूसरे दिन हमारे चाचा सिलेंडर लेने गए थे। तभी उनको अचानक सीने में दर्द हुआ और वो जमीन पर गिर पड़े। इसके बाद उनको डॉक्टर के पास ले गए जहां उनको मृत घोषित कर दिया गया।

मुरादाबाद में आधी रात को गैस एजेंसी पर रेड, स्टॉक में मिले कम सिलेंडर

आर्यावर्त संवाददाता

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जनपद में एलपीजी गैस वितरण में धांधली और कालाबाजारी की शिकायतों पर प्रशासन ने अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई की है। जिला आपूर्ति अधिकारी (DSO) अजय प्रताप सिंह ने अपनी टीम के साथ ठाकुरद्वारा स्थित भावना भारत गैस एजेंसी के गोदाम पर अचानक छापेमारी की। रात के अंधेरे में हुई इस कार्रवाई से पूरे इलाके के गैस विक्रेताओं में हड़कंप मच गया है।

जिला आपूर्ति अधिकारी ने बताया कि उन्हें लंबे समय से शिकायतें मिल रही थीं कि एजेंसी सिलेंडरों की हेराफेरी कर रही है और उन्हें निर्धारित मूल्य से कहीं अधिक दाम पर बेचा जा रहा है। जांच के दौरान जब टीम ने पिछले तीन दिनों की बुकिंग पर्चियां और आवश्यक दस्तावेज मांगे, तो एजेंसी संचालक उन्हें पेश करने में पूरी तरह विफल रहे।

छोटे सिलेंडरों की हेराफेरी का शक

भौतिक सत्यापन के दौरान गोदाम में 5 किलो वाले छोटे सिलेंडरों का स्टॉक भी रिकॉर्ड के अनुसार पूरा नहीं मिला। जब टीम ने इस पर सवाल किया, तो संचालक ने वाहन पंचर होने का बहाना बनाकर देरी की बात कही। हालांकि, अधिकारी इस जवाब से संतुष्ट नहीं हुए और प्रथम दृष्टया इसे गंभीर विसंगति माना।

देर रात जड़ा ताला, सुबह फिर होगी जांच

संतोषजनक दस्तावेज न मिलने और रिकॉर्ड में भारी अंतर के कारण प्रशासन ने तत्काल प्रभाव से गोदाम को सील कर दिया है। जिला आपूर्ति अधिकारी अजय प्रताप सिंह ने कहा- एजेंसी संचालक बुकिंग पर्चियों का मिलान करने में विफल रहे हैं। रात में प्रकाश की कमी के कारण वर्तमान में गोदाम को सील किया गया है। कल सुबह पुनः पूरे स्टॉक का गहन भौतिक सत्यापन किया जाएगा और गवाहों के बयान दर्ज किए जाएंगे। अधिकारियों ने स्पष्ट कर दिया है कि यदि कल सुबह की जांच में भी स्टॉक और कागजी दस्तावेजों में सुधार नहीं पाया गया, तो एजेंसी संचालक के विरुद्ध कठोर कानूनी और विभागीय कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

पुराने तालाब का 58 लाख रूपये में जीर्णोद्धार करा नमो सरोवर नाम दिया

सुल्तानपुर। नगरीय झील तालाब पोखर संरक्षण योजना के तहत नगर पालिका परिषद सुलतानपुर द्वारा वार्ड नरायनपुर के सौरमऊ स्थित पुराने तालाब का जीर्णोद्धार कर उसे नमो सरोवर के रूप में विकसित किया गया। लगभग 58 लाख रुपये की लागत से बने इस सरोवर का लोकार्पण मुख्य अतिथि विजय बहादुर पाठक ने विधिवत पूजन के साथ किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पालिकाध्यक्ष प्रवीन कुमार अग्रवाल ने की, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में सुशील त्रिपाठी तथा शैलेन्द्र प्रताप सिंह मौजूद रहे। करीब 100×100 वर्ग मीटर क्षेत्र में विकसित इस सरोवर में तालाब की खुदाई-सफाई, पत्थर की पिचिंग, 300 मीटर इंटरलॉकिंग पाथवे, हाईमास्ट लाइट, बैठने की व्यवस्था और पौधरोपण जैसे कार्य कराए गए हैं। पालिकाध्यक्ष ने बताया कि स्थानीय लोगों की लंबे समय से मांग पर तालाब का सौन्दर्यीकरण कर इसे पार्क/उपवन के रूप में विकसित किया गया है।

अलीगढ़ में प्रेमी ने प्रेमिका को मारकर वीडियो बनाया, बोला- The End... फिर ट्रेन से कटकर दे दी जान

आर्यावर्त संवाददाता

अलीगढ़। यूपी के अलीगढ़ से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। प्रेम-प्रसंग के चलते एक युवक ने पहले अपनी गर्लफ्रेंड की हत्या की। फिर खुद भी जान दे दी। इस घटना से इलाके में हड़कंप मच गया है। पुलिस और फॉरेंसिक टीमें मामले की गहनता से जांच कर रही हैं। घटना अकराबाद और गांधी पार्क थाना क्षेत्र की है।

दरअसल, यह मामला दो थाना क्षेत्रों में फैला हुआ है। अलीगढ़ के अकराबाद थाना क्षेत्र के गांव नगला पूसा के बाहर स्थित एक सुनसान खंडहर में युवती का शव संदिग्ध अवस्था में बरामद हुआ। इसके कुछ ही समय बाद, गांधी पार्क थाना क्षेत्र के भदेसी पला रेलवे ट्रैक पर एक युवक का शव मिला, जिसकी पहचान युवती के प्रेमी शशि कपूर के रूप में हुई। युवक ने ट्रेन के आगे कूदकर अपनी जान दे दी थी।

युवती के परिजनों ने युवक पर दुष्कर्म और हत्या के गंभीर आरोप लगाए हैं। परिजनों के अनुसार- युवती का शव खंडहर में नग्नावस्था में मिला और उसके कपड़े फटे हुए थे। शोर न मचा सके, इसलिए युवती के मुंह में कपड़ा ठूंसा गया था। परिजनों का दावा है कि गला दबाकर उसकी निर्मम हत्या की गई है।

वीडियो बनाकर कहा 'The End'

आत्महत्या करने से पहले युवक ने डिजिटल साक्ष्य छोड़े हैं, जो पुलिस के लिए अहम कड़ी साबित हो रहे हैं। युवक ने रेलवे ट्रैक पर जाने से पहले एक वीडियो बनाया, जिसमें उसने 'The End' शब्द का इस्तेमाल किया। युवती के पिता और पुलिस के अनुसार, युवक ने मरने से पहले अपने भाई को फोन कर कहा था कि उसने लड़की को मार दिया है और अब वह खुद को खत्म करने जा रहा है।

पुलिस और फॉरेंसिक टीम की कार्रवाई

सूचना मिलते ही पुलिस के आला अधिकारी और फॉरेंसिक (FSL) टीम मौके पर पहुंच गई। टीम ने खंडहर और रेलवे ट्रैक, दोनों स्थानों से फिंगरप्रिंट्स और अन्य भौतिक सबूत इकट्ठा किए हैं। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से ही स्पष्ट हो पाएगा कि युवती के साथ दुष्कर्म हुआ था या नहीं।

डीएसपी कमलेश कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि एक दिन पूर्व लड़की के पक्ष ने पड़ोसी युवक शशि कपूर के खिलाफ बहला-फुसलाकर ले जाने का मुकदमा थाना अकराबाद में दर्ज कराया था। उक्त युवक ने गांधी पार्क क्षेत्र में आत्महत्या कर ली। आत्महत्या से पूर्व उसने अपने भाई को फोन पर युवती की मृत्यु और स्वयं के आत्मघाती कदम की जानकारी दी थी। आज युवती का शव खंडहर में मिला है। फिलहाल मौके पर शांति व्यवस्था कायम है और अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

'राहुल बनकर अब्दुल्ला मेरी बेटी को भगा ले गया...', पुलिस के सामने बिलख पड़ी मां, निकाह करवाने की जताई आशंका

आर्यावर्त संवाददाता

गाजीपुर। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर कोतवाली इलाके के एक मोहल्ले से मुस्लिम युवकों के द्वारा खुद को हिंदू बताकर हिंदू लड़कियों के साथ पहले प्यार का जाल और फिर मौका मिलते ही उन्हें भगा ले जाने का मामला आया है। यहां एक युवती अपने मुस्लिम आशिक के साथ फरार हो गई है जो खुद को राहुल बताता था। यह प्यार की कहानी फेसबुक से शुरू हुई और फिर शादी का झांसा देकर भगा ले जाने तक चली। अब इसको लेकर युवती की मां ने मुस्लिम युवक सहित कई लोगों के खिलाफ मुकदमा लिखाकर कार्रवाई की मांग कर रही है। उन्हें यह भी डर सता रहा है कि कहीं उनकी बेटी का धर्मांतरण कराकर उसका निकाह ना कर दिया जाए। मामला गाजीपुर कोतवाली इलाके के एक मोहल्ले का है जहां पर

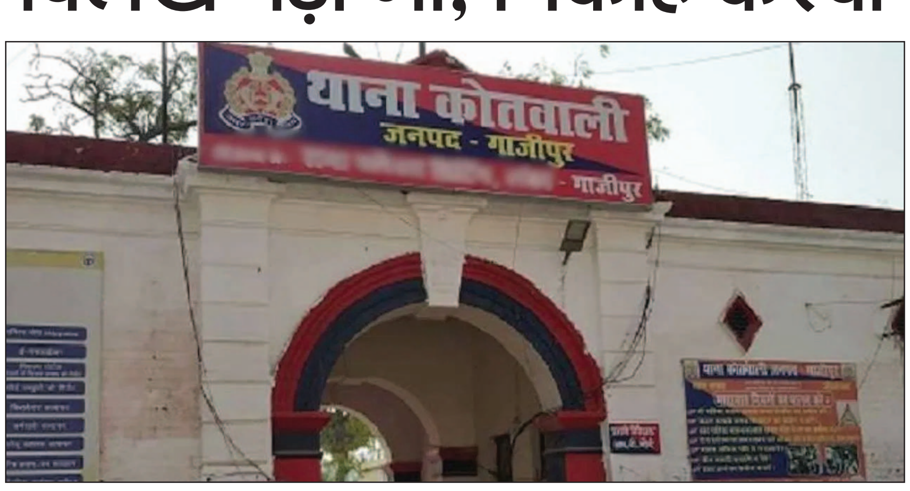

एक महिला ने एक मुस्लिम युवक पर नाम बदलकर अपनी बेटी को शादी का झांसा देकर भगा ले जाने का आरोप लगाया है। साथ ही घर से नगदी और अन्य सामान भी ले जाने का आरोप लगाया है। महिला ने पुलिस को शिकायत पत्र देते हुए बताया है कि उसकी बेटी को एक मुस्लिम युवक अब्दुल्ला, जिसने राहुल बनकर फेसबुक के माध्यम से पहले उनकी बेटी से दोस्ती की और फिर अब उसे शादी का झांसा देकर कहीं लेकर चला गया है।

पीड़ित मां ने क्या कहा?

उनका कहना है कि उनके पति कपड़ों की फेरी करते हैं और वह खुद अपनी बेटियों के साथ कोतवाली इलाके के एक मोहल्ले में कपड़े की दुकान भी चलाती हैं। बीते 11 मार्च को जब वह अपनी दुकान पर गई थी तब उनकी लड़की ने अपने पिता को फोन कर कहा था कि दुकान पर छोड़ने के लिए आप आएंगे या फिर मैं चली जाऊं। लड़की के पिता ने उसे दुकान पर चले जाने को कहा लेकिन लड़की दुकान पर ना जाकर राहुल उर्फ अब्दुल्ला पुत्र आफताब के बहकावे में आकर कहीं भाग गई। अपना मोबाइल भी घर पर छोड़ गई। इतना ही नहीं, जाते समय उसने घर में रखे हुए ₹50000 और कुछ गहना भी ले गई है।

जानकारी होने पर परिवार के लोगों ने लड़की के बारे में जानकारी जुटाने की कोशिश की लेकिन जब तक उसके बारे में पता चला तो मालूम हुआ कि वो राहुल उर्फ अब्दुल्ला के साथ फरार हो गई है। अबदुल्ला कोतवाली थाना क्षेत्र के एक मोहल्ले का रहने वाला है जो अपने पिता और मामा की साजिश के तहत लड़की को भगाकर ले गया है।

तीन के खिलाफ केस दर्ज

पीड़ित मां ने आशंका जताई है कि राहुल उर्फ अब्दुल्ला के मामा और उसके पिता उसकी लड़की बेटी का निकाह कर देंगे। हालांकि यह सब पता करने में उन्हें काफी समय लग गया। लेकिन लड़की के बारे में कोई भी जानकारी नहीं मिलने पाने के बाद उन्होंने इस संबंध में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने शिकायत पत्र मिलने के बाद आरोपी राहुल उर्फ अब्दुल्ला के साथ ही उसके पिता और उसके मामा के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

आईजीआरएस पर खेल! ग्राम समाज की जमीन पर अवैध निर्माण

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। जयसिंहपुर तहसील क्षेत्र की अन्नपूर्णा नगर ग्राम पंचायत में ग्राम समाज की जमीन पर हो रहे अवैध निर्माण को लेकर प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। आरोप है कि शिकायत के बावजूद क्षेत्रीय लेखपाल विपिन यादव और कानूनगो सत्यनारायण यादव ने बिना पैमाइश किए ही मुख्यमंत्री पोर्टल (आईजीआरएस) पर मनमाने ढंग से रिपोर्ट लगाकर मामले का निस्तारण कर दिया। मामले के अनुसार एक ग्रामीण द्वारा गाटा संख्या 926 से सटी ग्राम समाज की भूमि पर हो रहे अवैध निर्माण को रोकने के लिए तहसील प्रशासन को प्रार्थना पत्र दिया गया था। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए तहसीलदार ने राजस्व टीम गठित कर मौके पर पैमाइश कराने का आदेश दिया था। लेकिन आरोप है कि क्षेत्रीय लेखपाल और कानूनगो द्वारा मौके पर पैमाइश किए बिना ही उसी ग्राम पंचायत की गाटा संख्या 226, जो राजस्व अभिलेखों में खलिहान के रूप में दर्ज है, उसे दर्शाते हुए मुख्यमंत्री पोर्टल पर रिपोर्ट अपलोड कर दी और मामले का निस्तारण कर दिया। जबकि शिकायत किसी अन्य गाटा संख्या 926 से सटी ग्राम समाज की जमीन पर हो रहे निर्माण को लेकर की गई थी। इस पूरे मामले के सामने आने के बाद ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि राजस्व कर्मियों की मिलीभगत से ग्राम समाज की जमीनों पर अवैध कब्जे कराए जा रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि मोटी रकम लेकर इस तरह के मामलों को दबा दिया जाता है और शिकायतों को कागजों में ही निपटा दिया जाता है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और दोषी पाए जाने पर संबंधित लेखपाल और कानूनगो के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए तत्काल निलंबित किया जाए।

कैथल में महंत पीर गणेश नाथ की स्मृति में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए मुख्यमंत्री

सनातन परम्परा, राष्ट्र चेतना और युवा जागरूकता पर दिया जोर

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्नाय थ ज हरियाणा के कैथल में ब्रह्मलीन महंत पीर गणेश नाथ की स्मृति में आयोजित आठ मान भंडारा, देशमेल एवं शंखाढाल कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह आयोजन पूज्य महंत पीर गणेश नाथ के शिष्य महंत देवनाथ द्वारा अपने गुरु की स्मृति में आयोजित किया गया है, जो भारतीय सनातन परंपरा में गुरुजनों और पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने की महान परंपरा का प्रतीक है।मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय संस्कृति में यह परंपरा रही है कि व्यक्ति अपने जीवन में सम्मान देता है और उनके भौतिक रूप से हमारे बीच न रहने के बाद भी उनके प्रति कृतज्ञता का भाव प्रकट करता है। उन्होंने कहा कि "कृते च प्रति कर्तव्यम् एष धर्मः सनातनः" अर्थात यदि किसी ने हमारे जीवन में योगदान दिया है तो उसके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करना ही वास्तविक सनातन धर्म है। यही कारण है कि सनातन संस्कृति में बड़ों का सम्मान सर्वोच्च मूल्य माना गया है।मुख्यमंत्री ने पंजाब और हरियाणा की भूमि को वीरता और भक्ति की भूमि बताते हुए कहा कि इस क्षेत्र की रज-रज में संतों, सिद्धों और सिख परंपरा का प्रभाव दिखाई देता है। उन्होंने एक ऐतिहासिक प्रसंग का उल्लेख करते हुए कहा कि जब सिकंदर विश्व विजेता बनने की महत्वाकांक्षा लेकर भारत आया था, तब उसे बताया गया कि यहां एक सिद्ध योगी हैं जिनकी वाणी सिद्ध होती है। सिकंदर ने उन्हें बुलाने का प्रयास किया, लेकिन योगी ने यह कहकर आने से मना कर दिया कि विश्व विजेता कोई मनुष्य नहीं हो सकता, ईश्वर ही सर्वोच्च है। बाद में जब सिकंदर स्वयं उनके पास पहुंचा तो योगी ने स्पष्ट कहा कि वह केवल मनुष्य को पहचानते हैं और ईश्वर से बड़ा कोई नहीं हो सकता। अंततः सिकंदर को अपनी सेना के सामने उस योगी के समक्ष नतमस्तक होना पड़ा।मुख्यमंत्री ने कहा कि उस सन्यासी ने सिकंदर को चेतावनी देते हुए कहा था कि यह भारत की भूमि है और यदि वह आगे बढ़ेगा तो लौट नहीं पाएगा। यह भारत के संतों और सन्यासियों की वह परंपरा है जिसने सदैव राष्ट्र, धर्म और समाज के प्रति समर्पण को सर्वोच्च स्थान दिया है। इसी कारण आज भी गांव-गांव और शहर-शहर में लोग संतों के प्रति गहरा सम्मान रखते हैं और यही संस्कार समाज को शक्ति प्रदान करते हैं।उन्होंने कहा कि पंजाब और हरियाणा की भूमि ने ऐसे अनेक सिद्धों और संतों की परंपरा को आगे बढ़ाया है जिन्होंने देश की सुरक्षा और समाज की रक्षा के लिए चेतना जागृत की। यदि संत शक्ति जागृत रहे और ईमानदारी के साथ धर्म और सत्य के मार्ग पर चलते हुए राष्ट्र चेतना को मजबूत करती रहे, तो दुनिया की कोई ताकत भारत और सनातन धर्मावलंबियों का बाल भी बांका नहीं कर सकती।मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रद्धा और समर्पण का भाव व्यक्ति को विनम्र बनाता है और उसे अपने कर्तव्यों का बोध कराता है। यह भावना हमें अपने पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने और समाज के लिए योगदान देने की प्रेरणा देती है। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि जो लोग देशहित में कार्य कर रहे हैं उनका सहयोग करें और जो लोग देश और धर्म विरोधी आचरण कर रहे हैं उन्हें समाज में स्वीकार न करें।उन्होंने कहा कि भारत के करोड़ों लोग लंबे समय से अयोध्या में भगवान राम के भव्य मंदिर के निर्माण की प्रतीक्षा कर रहे थे। कई लोग अयोध्या नहीं गए होंगे, लेकिन उनके मन में यह भावना थी कि भगवान राम भारत की सनातन परंपरा के प्रतीक हैं। लगभग 500 वर्ष पूर्व विदेशी आक्रांता द्वारा राम जन्मभूमि स्थल को क्षतिग्रस्त कर दिया गया था और लंबे समय तक संघर्ष चलता रहा। उन्होंने कहा कि जब नरेन्द्र मोदी देश के प्रधानमंत्री बने तब इस अभियान को नई ऊंचाइयां मिलीं और आज अयोध्या में भगवान राम का भव्य मंदिर बनकर तैयार हो गया तथा रामलला विराजमान हो गए।मुख्यमंत्री ने कहा कि आजादी के बाद कई सरकारें आईं और गईं, लेकिन उन्होंने लोगों की आस्था के विषय में गंभीरता से नहीं सोचा। उन्होंने आरोप लगाया कि कई दल तुष्टीकरण और वोट बैंक की राजनीति में उलझे रहे। उन्होंने कहा कि जब केंद्र और राज्य में समान सोच वाली सरकारें होती हैं, तभी बड़े सांस्कृतिक और धार्मिक कार्य संभव हो पाते हैं। आज उत्तर प्रदेश में लोगों को सुरक्षा की गारंटी मिली है और अयोध्या ने पूरे देश को आस्था की गारंटी दी है। इसी तरह काशी में काशी विश्वनाथ धाम का पुनर्विकास और उज्जैन में महाकाल महालोक का निर्माण हुआ है, जबकि उत्तराखंड में बद्रीनाथ और केदारनाथ धाम में भी भव्य विकास कार्य किए गए हैं।मुख्यमंत्री ने कहा कि देश में कश्मीर और नक्सलवाद जैसी समस्याएं भी उन नीतियों का परिणाम हैं जो तुष्टीकरण के आधार पर अपनाई गई थीं। जब देश में जनचेतना जागृत हुई तो लोगों ने महसूस किया कि सनातन और राष्ट्र के साथ अन्याय हुआ है। जनता ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व पर विश्वास जताया और आज भारत उसी दिशा में आगे बढ़ रहा है जिस दिशा में जनता देश को देखना चाहती है।उन्होंने कहा कि कुछ लोग आज भारत की संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाकर भ्रम फैलाने का प्रयास कर रहे हैं। कभी लोकसभा अध्यक्ष, कभी निर्वाचन आयोग और कभी न्यायपालिका पर उंगली उठाई जाती है।

गैस सिलेंडरों की किल्लत और मूल्य वृद्धि के विरोध में आम आदमी पार्टी का प्रदेशभर में प्रदर्शन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। देश में रसोई गैस सिलेंडरों की कथित किल्लत, गैस आपूर्ति में बाधा और कीमतों में वृद्धि के विरोध में Sanjay Singh के आवाहन पर शनिवार को आप के कार्यकर्ताओं ने उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में जिला मुख्यालयों पर विरोध प्रदर्शन किया। पार्टी कार्यकर्ताओं ने ललितपुर, गाजियाबाद, बहराइच, बागपत, जालौन, मुजफ्फरनगर, चंदौली, वाराणसी, आगरा, बदायूं, मैनपुरी, मेरठ, कानपुर, मुरादाबाद और सहारनपुर सहित कई जिलों में प्रदर्शन कर केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ आवाज उठाई।इसी क्रम में राजधानी लखनऊ में स्वास्थ्य भवन चौराहा, कैसरबाग पर आम आदमी पार्टी के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन अयोध्या प्रांत अध्यक्ष विनय पटेल के नेतृत्व में तथा लखनऊ जिलाध्यक्ष इरम रिजवी की उपस्थिति में किया गया। प्रदर्शन के दौरान पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच तीखी झड़प भी हुई, जिसके बाद पुलिस ने कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया।प्रदर्शन को संबोधित करते हुए अयोध्या प्रांत अध्यक्ष विनय पटेल ने आरोप लगाया कि केंद्र की भारतीय जनता पार्टी की सरकार की गलत आर्थिक और ऊर्जा नीतियों के कारण देश आज गैस के गंभीर संकट से जूझ रहा है। उन्होंने कहा कि घरेलू गैस सिलेंडरों की भारी कमी के कारण आम लोगों को लंबी-लंबी कतारों में लगना पड़ रहा है और कई स्थानों पर लोगों को समय पर गैस उपलब्ध नहीं हो पा रही है।उन्होंने कहा कि गैस की किल्लत के कारण कई नगरों में भोजनालय, ढाबे और ठेलों पर भोजन बेचने वाले छोटे कारोबार बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। गैस न मिलने की वजह से अनेक छोटे कारोबार बंद होने की स्थिति में पहुंच गए हैं, जिससे हजारों लोगों के सामने रोज़गार का संकट खड़ा हो गया है। उनका कहना था कि सरकार की गलत ऊर्जा और आर्थिक नीतियों के कारण देश गैस संकट और महंगाई की दोहरी मार झेल रहा है।विनय पटेल ने कहा कि घरेलू गैस सिलेंडर के दामों में 60 रुपये और व्यावसायिक गैस सिलेंडर के दामों में 120 रुपये की बढ़ोतरी ने आम जनता की परेशानियों को और बढ़ा दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार की नीतियों के कारण गैस की आपूर्ति व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है और देशभर में सिलेंडरों के लिए लंबी कतारें लग रही हैं। पूर्व प्रदेश महासचिव दिनेश पटेल ने कहा कि पहले से ही महंगाई से परेशान जनता के लिए गैस की भारी किल्लत ने आम परिवारों की रसोई तक को संकट में डाल दिया है। घरेलू गैस सिलेंडर के दामों में वृद्धि गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों पर सीधा बोझ है।अयोध्या प्रांत महासचिव अतुल सिंह ने कहा कि गैस और ऊर्जा क्षेत्र में निजी कंपनियों को लाभ पहुंचाने वाली नीतियों के कारण गैस की कीमतों और आपूर्ति की स्थिति बिगड़ रही है। इसका सबसे अधिक असर छोटे और मध्यम कारोबारियों पर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि यदि केंद्र सरकार ने जल्द ही गैस की आपूर्ति सामान्य करने और महंगाई पर नियंत्रण के लिए ठोस कदम नहीं उठाए तो देश की आर्थिक स्थिति और अधिक गंभीर हो सकती है।

सरस महोत्सव में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने किया दस दिवसीय सरस मेला का शुभारंभ

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने प्रयागराज के परेड मैदान में राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा आयोजित दस दिवसीय सरस मेले का शुभारंभ करते हुए कहा कि स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं प्रदेश के आर्थिक और सामाजिक परिवर्तन की मजबूत आधारशिला बन रही हैं। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाकर उन्हें "लखपति दीदी" बनाने के संकल्प के साथ कार्य कर रही है।सरस महोत्सव के उद्घाटन अवसर पर संबोधित करते हुए केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं के जीवन में व्यापक परिवर्तन आया है। जो महिलाएं पहले घर की चारदीवारी तक सीमित रहती थीं, वे आज अपने परिश्रम और उद्यमिता के बल पर परिवार की आय बढ़ाने के साथ-साथ समाज में सम्मान भी प्राप्त कर रही हैं। उन्होंने कहा कि इन समूहों से जुड़ने के बाद महिलाओं की सामाजिक प्रतिष्ठा और आत्मविश्वास दोनों में वृद्धि हुई है।उप मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश सरकार का लक्ष्य वर्ष 2026 तक स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं की संख्या को 1 करोड़ 10 लाख से बढ़ाकर 3 करोड़ तक पहुंचाना है। साथ ही प्रदेश में एक करोड़ महिलाओं को "लखपति दीदी" बनाने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में छह करोड़ महिलाओं को "लखपति दीदी" बनाने का संकल्प लिया गया है और इसके लिए विभिन्न योजनाओं के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त किया जा रहा है।केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि सरकार स्वयं सहायता समूहों को उद्योग स्थापित करने के लिए बड़े पैमाने पर वित्तीय सहायता और अनुदान उपलब्ध करा रही है। यदि कोई समूह 5 करोड़ रुपये की लागत से कोई फैक्ट्री या उत्पादन इकाई स्थापित करता है तो उसे 1 करोड़ 75 लाख रुपये तक का अनुदान दिया जाता है। इसके अतिरिक्त सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने के लिए 90 प्रतिशत तक की अतिरिक्त सब्सिडी भी प्रदान की जा रही है, जिससे महिलाएं बड़े स्तर पर उद्योग स्थापित कर सकें।उन्होंने कहा कि प्रदेश में स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं कपड़ा निर्माण, खाद्य प्रसंस्करण, डेयरी, कैंटीन संचालन, परिवहन तथा अन्य कई प्रकार के उद्यमों के माध्यम से आर्थिक गतिविधियों को आगे बढ़ा रही हैं। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति मिली है और महिलाएं परिवार की आय बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है कि स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं केवल छोटे स्तर तक ही सीमित न रहें, बल्कि उद्योग, उत्पादन, प्रसंस्करण और विपणन के क्षेत्र में भी आगे बढ़ें। सरस महोत्सव जैसे आयोजनों के माध्यम से इन महिलाओं द्वारा तैयार किए गए उत्पादों को बड़े बाजार तक पहुंचाने का अवसर मिलता है, जिससे उनकी आय में लगातार वृद्धि होती है।उन्होंने कहा कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था की स्थिति में हुए सुधारों के कारण

रसोई गैस संकट पर रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया का आक्रोश, मुख्यमंत्री को भेजा विस्तृत पत्र

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश में घरेलू और व्यावसायिक रसोई गैस की कथित किल्लत को लेकर रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया ने गहरी चिंता व्यक्त की है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पवन भाई गुप्ता ने कहा कि प्रदेश में गैस संकट अब केवल असुविधा का विषय नहीं रह गया है, बल्कि यह गंभीर मानवीय संकट का रूप लेता जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि गैस की आपूर्ति व्यवस्था चरमरा गई है और कालाबाजारी की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं, जबकि प्रशासन प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने में विफल दिखाई दे रहा है।प्रदेश अध्यक्ष पवन भाई गुप्ता ने इस संबंध में प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को एक विशेष पत्र भेजकर स्थिति से अवगत कराया है। अपने पत्र में उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदम वर्तमान परिस्थितियों के मुकाबले अपर्याप्त साबित हो रहे हैं और धरातल पर शासन के निर्देशों का अपेक्षित प्रभाव दिखाई नहीं दे रहा है। उन्होंने कहा कि कई स्थानों पर कालाबाजारी अपने चरम पर है और आम लोगों को गैस प्राप्त करने के लिए लंबी कतारों में खड़ा होना पड़ रहा है।पत्र में उन्होंने विशेष रूप से राजधानी लखनऊ की स्थिति का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रदेश की राजधानी और चिकित्सा सेवाओं का प्रमुख केंद्र होने के बावजूद यहां गैस एजेंसियों पर अव्यवस्था का माहौल बना हुआ है। उन्होंने यह भी चिंता व्यक्त की कि गैस संकट का असर चिकित्सा संस्थानों तक पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय में गैस की कमी के कारण मरीजों को दिए जाने वाले भोजन में परिवर्तन करना पड़ा है और रोटियों की संख्या कम कर चावल अधिक परोसे जाने की जानकारी सामने आई है। उन्होंने इसे गंभीर विषय बताते हुए कहा कि बीमार मरीजों के लिए निर्धारित आहार व्यवस्था से समझौता उनके स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ है।उन्होंने कहा कि राजधानी की सड़कों पर गैस सिलेंडर प्राप्त करने के लिए लगी लंबी कतारें प्रशासनिक व्यवस्थाओं पर प्रश्नचिह्न लगा रही हैं। इसके अतिरिक्त श्रावस्ती, बस्ती और गोरखपुर जैसे जिलों में गैस प्राप्त करने के लिए मची भगदड़ में लोगों के बेहोश होने और मारपीट की घटनाएं सामने आई हैं, जो स्थिति की गंभीरता को दर्शाती हैं। कानपुर में भी इसी प्रकार की स्थिति देखने को मिल रही है।पत्र में उन्होंने अयोध्या का भी उल्लेख करते हुए कहा कि गैस संकट के कारण राम रसोई और हनुमान जी के प्रसाद वितरण जैसी व्यवस्थाएं प्रभावित होना धार्मिक और सामाजिक दृष्टि से भी चिंताजनक है। वहीं झांसी में गैस सिलेंडरों से भरे ट्रक के लापता होने की घटना से यह आशंका भी प्रकट होती है कि संकट की आड़ में आपराधिक तत्व सक्रिय हो गए हैं।

कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की शिकायत के लिए 'शी-बॉक्स' पोर्टल प्रभावी माध्यम: वंदना वर्मा

लखनऊ। कार्यस्थल पर महिलाओं के साथ होने वाले यौन उत्पीड़न के मामलों की शिकायत दर्ज कराने के लिए भारत सरकार द्वारा संचालित शी-बॉक्स (सेक्सुअल हैरेसमेंट इलेक्ट्रॉनिक बॉक्स) पोर्टल एक सुरक्षित और गोपनीय ऑनलाइन मंच प्रदान करता है। यह पोर्टल वर्ष 2013 के कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न निवारण अधिनियम के तहत संचालित है और निजी तथा सरकारी दोनों क्षेत्रों में कार्यरत महिलाओं के लिए उपलब्ध है।इस पोर्टल के माध्यम से महिलाएं घर बैठे ही ऑनलाइन अपनी शिकायत दर्ज करा सकती हैं। इसमें शिकायतकर्ता की व्यक्तिगत जानकारी को पूरी तरह गोपनीय रखा जाता है। साथ ही यह पोर्टल हिंदी और अंग्रेजी सहित कई भाषाओं में उपलब्ध है, जिससे महिलाओं को शिकायत दर्ज करने में सुविधा होती है।

महिला सफाई कर्मियों का नारी सम्मान समारोह आयोजित, 30 सफाई मित्रों को किया गया सम्मानित

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस सप्ताह (8 से 14 मार्च) के अवसर पर नगर निगम लखनऊ के जोन-7 अंतर्गत स्वच्छ भारत अभियान के तहत महिला सफाई कर्मियों के सम्मान में नारी सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन नगर निगम लखनऊ द्वारा उर्विश समाज सेवा संस्थान तथा लखनऊ स्वच्छता अभियान की टीम के सहयोग से किया गया, जिसमें शहर की स्वच्छता व्यवस्था में उल्लेखनीय योगदान देने वाली महिला सफाई कर्मचारियों को सम्मानित किया गया।समारोह के दौरान उत्कृष्ट सेवा देने वाली 30 महिला सफाई मित्रों को सम्मानित करते हुए उन्हें प्रोत्साहन स्वरूप "स्वास्थ्य गरिमा किट" प्रदान की गई। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि शहर को स्वच्छ और स्वस्थ

बनाए रखने में सफाई कर्मियों, विशेषकर महिला सफाई कर्मचारियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रतिदिन कठिन परिस्थितियों में कार्य करते हुए वे नगर की स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने में अहम योगदान देती हैं। ऐसे कर्मियों को सम्मानित करना न केवल उनके कार्यों की सराहना है, बल्कि समाज के लिए प्रेरणादायी संदेश भी है।कार्यक्रम के दौरान नगर निगम द्वारा संचालित आरआरआर केन्द्र की गतिविधियों को भी जनसामान्य के बीच प्रचारित किया गया। नागरिकों को अपनी अनुपयोगी वस्तुएँ जैसे इस्तेमाल किए हुए कपड़े, जूते, पुराने बैग, खिलौने और पुस्तकें जरूरतमंद लोगों को दान करने के लिए प्रेरित किया गया, ताकि इन वस्तुओं का पुनः उपयोग हो सके और समाज के वंचित वर्ग को भी इसका लाभ मिल सके।इस अवसर पर आरआरआर की अवधारणा के बारे में जानकारी देते हुए बताया गया कि इसका उद्देश्य "रिड्यूस, रीसायकल और रीयूज" के सिद्धांत को बढ़ावा देना है। इसके अंतर्गत लोगों को कम से कम अनुपयोगी वस्तुओं का उपयोग करने, उपयोगी वस्तुओं का पुनर्चक्रण करने तथा प्रत्येक वस्तु का अधिकतम उपयोग करने के लिए प्रेरित किया जाता है, जिससे पर्यावरण को प्रदूषण से बचाया जा सके और संसाधनों का संरक्षण हो सके।कार्यक्रम का नेतृत्व अपर नगर आयुक्त ललित कुमार, जोनल अधिकारी रामेश्वर प्रसाद तथा जोनल सेनेटरी अधिकारी अजीत राय की उपस्थिति में किया गया। कार्यक्रम का संचालन सफाई एवं खाद्य निरीक्षक संचिता मिश्रा द्वारा किया गया।इस अवसर पर उर्विश समाज सेवा संस्थान से शशि मिश्रा, जूट फॉर लाइफ से अंजली सिंह, समाज सेविका तृप्ति भार्गव, फहमीना आरिफ, पिंकी सिंह, सोनाली पांडे, चिंतन फाउंडेशन से भव्या सिंह तथा लखनऊ स्वच्छता अभियान की जागरूकता टीम के सदस्य भी उपस्थित रहे।

कांशीराम जयंती से पहले बीएसपी का विपक्ष पर हमला, बहुजन समाज से एकजुट रहने की अपील

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कांशीराम जयंती की पूर्व संध्या पर जारी बयान में कांग्रेस और समाजवादी पार्टी सहित अन्य दलों पर तीखा राजनीतिक हमला बोला है। उन्होंने कहा कि बहुजन आंदोलन के प्रणेता कांशीराम को आज कई विरोधी दल अपने संकीर्ण राजनीतिक उद्देश्यों और चुनावी स्वार्थ के लिए याद कर रहे हैं, जो अवसरवादी राजनीति का नया फैशन बन गया है।मायावती ने कहा कि देश में बहुजन समाज के मसीहा डॉ. भीमराव आंबेडकर के आत्मसम्मान और मानवतावादी विचारों को आगे बढ़ाने का काम कांशीराम ने किया। उन्होंने करोड़ों दलित, शोषित, पीड़ित, उपेक्षित और तिरस्कृत लोगों को संगठित कर उन्हें राजनीतिक शक्ति में बदलने का ऐतिहासिक कार्य किया, ताकि बहुजन समाज चुनावी सफलता के माध्यम से शासन में भागीदारी हासिल कर सके।उन्होंने कहा कि यदि संविधान के समतामूलक और कल्याणकारी उद्देश्यों को सही नीयत और नीति के साथ लागू किया गया होता तो कांशीराम को बहुजन समाज पार्टी की स्थापना करने की आवश्यकता ही नहीं पड़ती। साथ ही देश में सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक विषमताओं के साथ-साथ गरीबी, बेरोजगारी और पिछड़ेपन का बोझ भी बहुजन समाज को इतने लंबे समय तक नहीं झेलना पड़ता।मायावती ने आरोप लगाया कि आज भी देश में जातिवादी द्वेष और संकीर्ण सोच की राजनीति जारी है।

मिर्जापुर में लगभग दो करोड़ रुपये की विकास योजनाओं का लोकार्पण, धार्मिक पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा : ए के शर्मा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए के शर्मा ने मिर्जापुर के अष्टभुजा गेस्ट हाउस परिसर में लगभग दो करोड़ रुपये की लागत से विभिन्न विकास योजनाओं का लोकार्पण किया। इन योजनाओं में पटेल चौराहा का सौंदर्यीकरण, विंध्याचल बरतर क्षेत्र में जोनल कार्यालय का निर्माण, ओझला पुल का सुंदरीकरण तथा अहिल्याबाई होल्कर पार्क का निर्माण जैसे महत्वपूर्ण कार्य शामिल हैं। इन परियोजनाओं से शहर की आधारभूत सुविधाओं को मजबूती मिलने के साथ धार्मिक पर्यटन को भी नई गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री ए के शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में "विरासत के साथ विकास" और "आस्था के साथ व्यवस्था" की सोच को धरातल पर

उतारा जा रहा है। उन्होंने कहा कि श्रद्धा और स्वच्छता, संस्कृति और समृद्धि को साथ लेकर ही भारत को विकसित राष्ट्र बनाया जा सकता है। इसी दृष्टि से धार्मिक और ऐतिहासिक स्थलों का आधुनिक सुविधाओं के साथ विकास किया जा रहा है, ताकि श्रद्धालुओं को बेहतर व्यवस्था और सुविधाएं मिल सकें।मंत्री ए के शर्मा ने कहा कि उन्होंने वेटिकन सिटी और रोम जैसे विश्व प्रसिद्ध धार्मिक शहरों को भी देखा है। अपने अनुभव के आधार पर वे कह सकते हैं कि विंध्याचल धाम का विकास जिस प्रकार से हो रहा है, वह इन स्थानों से भी अधिक भव्य और व्यवस्थित रूप में सामने आ रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व और मार्गदर्शन में वाराणसी, अयोध्या और विंध्याचल जैसे प्रमुख आस्था स्थलों में आधारभूत ढांचे का व्यापक विकास हुआ है। इस कारण विंध्याचल धाम भी अब देश के प्रमुख धार्मिक पर्यटन स्थलों में तेजी से उभर रहा है।उन्होंने बताया कि चौबे घाट पर विद्युत शवदाह गृह के निर्माण को मंजूरी मिल चुकी है और घंटाघर क्षेत्र में पक्के घाटों का निर्माण भी कराया जाएगा। ऊर्जा क्षेत्र के विकास का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि मड़िहान तहसील में 765 केवीए का विद्युत उपकेंद्र स्वीकृत हो गया है, जो उत्तर प्रदेश का चौथा 765 केवीए उपकेंद्र होगा। इसके अलावा विंध्याचल विद्युत उपकेंद्र में एक अतिरिक्त 5 एमवीए ट्रांसफार्मर लगाकर उसकी क्षमता बढ़ाई गई है तथा 30 वितरण ट्रांसफार्मरों की क्षमता भी बढ़ाई गई है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में विद्युत व्यवस्था को मजबूत और विश्वसनीय बनाने के लिए लगातार सुधारात्मक कदम उठाए जा रहे हैं।

बीबीएयू में राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर जागरूकता रैली व नुक्कड़ नाटक का आयोजन

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से जागरूकता रैली और नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 समिति की ओर से आयोजित किया गया, जिसमें विद्यार्थियों और शिक्षकों ने सक्रिय भागीदारी निभाई।कार्यक्रम के दौरान समिति की अध्यक्ष प्रो. संगीता सक्सेना सहित डॉ. सुभाष मिश्रा, डॉ. विनीत कुमार और डॉ. मंजरी राज ओरांव उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि नई शिक्षा नीति का उद्देश्य शिक्षा व्यवस्था को अधिक लचीला, बहुविषयक और रोजगारोन्मुख बनाना है।जागरूकता रैली के दौरान विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय परिसर और आसपास के क्षेत्रों में लोगों को नई शिक्षा नीति-2020 से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दीं। रैली के माध्यम से शिक्षा के बदलते स्वरूप, कौशल आधारित अध्ययन और आधुनिक शिक्षण पद्धति के महत्व को भी रेखांकित किया गया।इसके साथ ही विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत नुक्कड़ नाटक ने कार्यक्रम को विशेष आकर्षण प्रदान किया। नाटक के माध्यम से शिक्षा में हो रहे बदलाव, कौशल आधारित शिक्षा, बहुविषयक अध्ययन तथा विद्यार्थियों के समग्र विकास जैसे विषयों को सरल और प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया। कलाकारों ने अपने अभिनय के जरिए यह संदेश दिया कि नई शिक्षा नीति विद्यार्थियों को केवल शैक्षणिक रूप से ही नहीं, बल्कि व्यावहारिक और रोजगारपरक दृष्टि से भी सक्षम बनाने का मार्ग प्रशस्त करती है।

तमिलनाडु की राजनीति में शशिकला का जबरदस्त Come-Back

नीरज कुमार दुबे

शशिकला लंबे समय तक अखिल भारतीय अन्ना द्रविड मुनेत्र कझगम यानी एआईएडीएमके की महत्वपूर्ण नेता रही हैं और जयललिता की सबसे भरोसेमंद सहयोगी मानी जाती थीं।

तमिलनाडु की राजनीति में एक बार फिर हलचल तेज हो गई है। दिवंगत जे. जयललिता की करीबी सहयोगी रहीं वीके शशिकला ने नई राजनीतिक पार्टी की घोषणा कर राज्य की चुनावी राजनीति को नया मोड़ दे दिया है। उन्होंने अपनी पार्टी का नाम आल इंडिया पुराची थलैवर मक्कल मुनेत्र कझगम घोषित किया है और उसका चुनाव चिह्न नारियल के पेड़ों का खेत बताया है। आगामी तमिलनाडु विधानसभा चुनाव से पहले यह कदम राज्य की राजनीति में नए समीकरण बना सकता है।

शशिकला लंबे समय तक अखिल भारतीय अन्ना द्रविड मुनेत्र कझगम यानी एआईएडीएमके की महत्वपूर्ण नेता रही हैं और जयललिता की सबसे भरोसेमंद सहयोगी मानी जाती थीं। लेकिन बाद में पार्टी नेतृत्व के साथ मतभेद के कारण उन्हें संगठन से निकाल दिया गया। अब नई पार्टी बनाकर उन्होंने एक बार फिर सक्रिय राजनीति में अपनी मजबूत वापसी का संकेत दिया है।

शशिकला ने आज संवाददाता सम्मेलन में स्पष्ट किया कि उनकी नई पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव में भाग लेगी। सूत्रों के अनुसार शशिकला की पार्टी लगभग चालीस विधानसभा क्षेत्रों में उम्मीदवार उतारने की तैयारी कर रही हैं। विशेष रूप से दक्षिणी जिलों के थेवर बहुल क्षेत्रों में उनकी रणनीति केंद्रित बताई जा रही है। इन क्षेत्रों में शशिकला की सामाजिक और राजनीतिक पकड़ मानी जाती है। राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि यदि शशिकला इन क्षेत्रों में प्रभावी प्रदर्शन करती हैं तो इसका सीधा असर एआईएडीएमके के वोट बैंक पर पड़ सकता है। इससे चुनावी मुकाबला और अधिक त्रिकोणीय या बहुकोणीय हो सकता है।

इसी बीच, शशिकला ने पीएमके के संस्थापक एस रामदास से उनके थैलापुरम स्थित फार्महाउस में मुलाकात भी की। दोनों नेताओं के बीच लगभग एक घंटे तक बातचीत हुई। सूत्रों के अनुसार इस बैठक में विधानसभा चुनाव के लिए संभावित गठबंधन पर चर्चा हुई। बताया जा रहा है कि रामदास की स्थिति भी फिलहाल असमंजस में है। द्रविड मुनेत्र कझगम यानी डीएमके ने उनके लिए अपने गठबंधन के दरवाजे लगभग बंद कर दिए हैं। दूसरी ओर एआईएडीएमके उन्हें सीमित सीटें देने की बात कर रही है, लेकिन उनके बेटे अंबुमणि रामदास कम सीटों पर तैयार नहीं हैं। ऐसे में शशिकला के साथ संभावित गठबंधन रामदास के लिए नया राजनीतिक विकल्प बन सकता है। यदि यह गठबंधन आकार लेता है तो उत्तर और दक्षिण तमिलनाडु में एक नया राजनीतिक समीकरण उभर सकता है, जो प्रमुख दलों के लिए चुनौती बन सकता है।

नई पार्टी की घोषणा करते समय शशिकला ने जयललिता की जयंती के अवसर पर भावनात्मक और राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण भाषण भी दिया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2016 में जयललिता के निधन के बाद कई मंत्रियों और विधायकों ने उनसे मुख्यमंत्री बनने का अनुरोध किया था। शशिकला ने कहा कि उस समय उन्होंने सत्ता संभालने से इंकार कर दिया था और कहा था कि पहले जयललिता की परंपराओं के अनुसार अंतिम संस्कार और अन्य रस्में पूरी की जाएं। उन्होंने यह भी कहा कि उस समय उन्होंने ओ. पन्नीरसेल्वम के मुख्यमंत्री बने रहने का समर्थन किया था और मंत्रियों को पद की शपथ लेने के लिए प्रोत्साहित किया था। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि जयललिता की मृत्यु के बाद उनके खिलाफ तरह तरह के आरोप लगाए गए और यहां तक कहा गया कि उन्होंने ही जयललिता को नुकसान पहुंचाया। शशिकला ने इन आरोपों को अपने राजनीतिक विरोधियों की साजिश बताया।

हम आपको बता दें कि शशिकला ने अपनी नई पार्टी का झंडा भी जारी किया है। झंडे में लाल सफेद और काले रंग की पट्टियां हैं तथा उस पर द्रविड आंदोलन के प्रमुख नेताओं सीएन अन्नादुरै, एमजी रामचंद्रन और जयललिता की तस्वीरें दिखाई गई हैं। शशिकला ने कहा है कि उनकी पार्टी द्रविड विचारधारा पर आधारित होगी और अन्ना, एमजीआर तथा जयललिता की राजनीतिक परंपरा को आगे बढ़ाएगी। उन्होंने दावा किया कि उनकी पार्टी आम लोगों के हितों के लिए काम करेगी और राजनीतिक विरोधियों का मजबूती से सामना करेगी।

हम आपको याद दिला दें कि शशिकला के राजनीतिक सफर में विवाद भी कम नहीं रहे हैं। जयललिता के निधन के बाद वह एआईएडीएमके की महासचिव बनी थीं और मुख्यमंत्री बनने की कोशिश कर रही थीं। लेकिन आय से अधिक संपत्ति मामले में दोषी ठहराए जाने के कारण उन्हें चार वर्ष की जेल की सजा हुई। इसके कारण वह अभी वर्ष 2027 तक चुनाव नहीं लड़ सकती हैं।

हम आपको याद दिला दें कि शशिकला को जेल होने के बाद एआईएडीएमके में एडप्पडी पलानीस्वामी और ओ. पन्नीरसेल्वम ने मिलकर पार्टी का नेतृत्व संभाला और बाद में शशिकला को संगठन से बाहर कर दिया था। बाद में पलानीस्वामी ने पन्नीरसेल्वम को भी पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया था। शशिकला ने कई बार पलानीस्वामी को विश्वासघाती बताया है, जबकि पलानीस्वामी का कहना है कि उन्हें विधायकों ने चुना था।

देखा जाये तो तमिलनाडु में आगामी विधानसभा चुनाव पहले से ही बेहद प्रतिस्पर्धी माने जा रहे हैं। डीएमके नेता एमके स्टालिन, एआईएडीएमके के एडप्पडी पलानीस्वामी जैसे अनुभवी नेता चुनावी मैदान में हैं। इसके अलावा राष्ट्रीय स्तर की पार्टियां भी राज्य में अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश कर रही हैं। ऐसे समय में शशिकला की नई पार्टी का गठन चुनावी समीकरण बदल सकता है। खास तौर पर एआईएडीएमके के पारंपरिक वोट बैंक में विभाजन की संभावना से चुनावी मुकाबला और दिलचस्प हो सकता है। इसके अलावा, राजनीतिक विश्लेषकों का यह भी कहना है कि यदि शशिकला क्षेत्रीय दलों के साथ गठबंधन बनाने में सफल होती हैं तो वह कई सीटों पर निर्णायक भूमिका निभा सकती हैं। कुल मिलाकर शशिकला की वापसी ने तमिलनाडु की राजनीति को फिर से गरमा दिया है और आगामी विधानसभा चुनाव को और अधिक रोचक बना दिया है।

अंतरराष्ट्रीय संदर्भ, वैश्विक व्यापार चुनौतियां और भारत की रणनीति

अमेरिका में 20 जनवरी 2025 को डोनाल्ड ट्रम्प ने 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली थी। ट्रम्प के अमेरिकी राष्ट्रपति बनने के बाद से ही पूरी दुनिया में, विशेष रूप आर्थिक क्षेत्र में भारी उथल पुथल दिखाई दी है। ट्रम्प ने "मेक अमेरिका ग्रेट अगेन" - अमेरिका को पुनः महान बनायें - के नारे के साथ यह राष्ट्रपति चुनाव जीता था। अतः उन्होंने अमेरिका को एक बार पुनः विश्व के विनिर्माण हब के रूप में स्थापित करने का बीड़ा उठाया है। इस उद्देश्य की प्राप्ति हेतु उन्होंने विभिन्न देशों से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर टैरिफ लगाने का निर्णय लेते हुए, इस निर्णय को शीघ्र ही लागू भी कर दिया। उनका सोचना था कि उनके इस निर्णय से विभिन्न उत्पादों के निर्यातक अमेरिका में इन उत्पादों को निर्यात करने के प्रति निरुत्साहित होकर इन उत्पादों का उत्पादन अमेरिका में ही प्रारम्भ कर देंगे। इस कार्य को यदि धीमे धीमे एवं संरचित रूप से किया जाता तो सम्भव है कि पूरे विश्व में अफरा तफरी जैसा माहौल नहीं बनता। परंतु, ट्रम्प ने कुछ देशों (चीन, आदि) से विभिन्न वस्तुओं के अमेरिका को होने वाले निर्यात पर 500 प्रतिशत तक का टैरिफ लगाने की घोषणा कर दी एवं अन्य देशों को भी लगातार इस प्रकार की धमकी देना प्रारम्भ कर दिया। ट्रम्प ने भारत से अमेरिका को होने वाले विभिन्न वस्तुओं के निर्यात पर भी 25 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया एवं 25 प्रतिशत का अतिरिक्त टैरिफ यह कहते हुए लगाया कि भारत, रूस से कच्चे तेल का आयात करता है एवं इसे प्रसंस्कृत करने के उपरांत यूरोपीय देशों को पेट्रोल एवं डीजल के रूप में निर्यात करता है। इस प्रक्रिया में ट्रम्प ने यह निष्कर्ष निकाला भारत द्वारा रूस से कच्चे तेल को खरीदने से रूस द्वारा यूक्रेन पर हमले को बल मिलता है और भारत इस युद्ध को अप्रत्यक्ष रूप से फंडिंग कर रहा है। इस प्रकार, भारत से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर दिनांक 27 अगस्त 2025 से 50 प्रतिशत का टैरिफ लगा दिया गया है। इससे भारत के पूंजी (शेयर) बाजार में हाहाकर मच गया एवं विदेशी संस्थागत निवेशक लगातार भारत से अपने निवेश को निकाल रहे हैं।

ट्रम्प अमेरिका में होने वाले विभिन्न वस्तुओं के आयात पर लगाए गए टैरिफ पर ही नहीं रुके बल्कि अपनी साम्राज्यवादी सोच को पुनः लागू करने के उद्देश्य को भी स्पष्ट रूप से झलका दिया। प्रभुतासम्पन्न देश वेनेजुएला के राष्ट्रपति को गिरफ्तार कर अमेरिका में लाया गया एवं उन पर अमेरिका में मुकदमा चलाया गया। दरअसल, अमरीका की नजर वेनेजुएला के कच्चे तेल के अपार भंडार पर है। जिस पर अमेरिका अपना कब्जा स्थापित करते हुए इसके उपयोग पर अपना नियंत्रण स्थापित करना चाहता है। साथ ही, डेनमार्क के नियंत्रण में एक द्वीप, ग्रीनलैंड पर अमेरिका अपना आधिपत्य स्थापित करना चाहता है। इसी प्रकार की धमकियां, मेक्सिको, क्यूबा, ईरान आदि देशों को भी दी गई हैं। ट्रम्प के उक्त प्रकार के निर्णयों के चलते अब तो वैश्विक स्तर पर विभिन्न देशों के बीच आपसी सम्बंधो पर प्रभाव पड़ता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत भी अछूता नहीं रहा है एवं हाल ही के समय में भारत के अमेरिका के साथ सम्बन्धों में कुछ खटास आई है। अन्यथा, कुछ समय पूर्व तक भारत एवं अमेरिका एक दूसरे के रणनीतिक साझेदार माने जाते रहे हैं। विदेशी व्यापार के मामले में अमेरिका, भारत का सबसे बड़ा साझीदार रहा है। भारत से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात के मामले में भी अमेरिका प्रथम स्थान पर हैं। श्री ट्रम्प द्वारा भारत से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर लागू किए गए 50 प्रतिशत टैरिफ के उपरांत भारत का विदेश व्यापार कुछ हद्द तक विपरीत रूप से प्रभावित हुआ है। परंतु, भारत ने इस समस्या का हल निकालने की रणनीति पर तुरंत विचार करना प्रारम्भ किया एवं कई देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते सम्पन्न किए। ताकि, विशेष रूप अमेरिका को होने वाले वस्त्र एवं परिधान, जेम्स एवं ज्वेलरी, समुद्रीय पदार्थ, खिलौना उद्योग एवं चमड़ा उद्योग जैसे श्रम आधारित उद्योगों पर पड़ने वाले विपरीत प्रभाव को तुरंत ही रोका जा सके अथवा कम किया जा सके। अन्यथा, की स्थिति में भारत में बेरोजगारी की समस्या एक ज्वलंत समस्या के रूप खड़ी हो सकती थी। भारत ने उक्त उत्पादों के निर्यात हेतु रूस, चीन, जापान, आस्ट्रेलिया एवं यूरोपीय यूनियन के 27 सदस्य देशों के रूप में नए बाजार तलाशे एवं इन देशों को उक्त उत्पादों का निर्यात प्रारम्भ किया। वर्ष 2025 में भारत ने विदेशी व्यापार परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए प्रमुख वैश्विक साझेदारों के साथ मौजूदा मुक्त व्यापार समझौतों पर गहन वार्ताओं और रणनीतिक अद्यतनों को अंतिम रूप देने का प्रयास किया है। वर्ष के अंत में, भारत ने यूनाइटेड किंगडम, ओमान एवं न्यूजीलैंड के साथ महत्वपूर्ण मुक्त व्यापार समझौते सम्पन्न किए। इसके साथ ही, अफ्रीकी देशों एवं लैटिन अमेरिकी देशों के साथ भी प्रारम्भिक वार्ताओं को आगे बढ़ाने का प्रयास किया है। इसका परिणाम यह हुआ है कि नवम्बर एवं दिसम्बर 2025 माह में भारत से विभिन्न वस्तुओं के निर्यात में वृद्धि दर को बनाए रखने में सफलता मिली है।

टिप्पणी

ईरान ने लंबी लड़ाई की तैयारी कर रखी

खामेनई के उत्तराधिकारियों ने चंद घंटों के अंदर जिस तरह इजराइल के अंदर तथा विभिन्न खाड़ी देशों में अमेरिकी सैन्य एवं अन्य ठिकानों को निशाना बनाया, उसका यही पैगाम है कि ईरान ने लंबी लड़ाई की तैयारी कर रखी है।

विडंबना ही है कि जिस सुबह अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थ ओमान के विदेश मंत्री बदर बिन हमद अल बुसेइदी ने जानकारी दी कि ईरान संवर्धित यूरेनियम के भंडार को खत्म करने और आगे संवर्धन ना करने पर राजी हो गया है, अमेरिका और इजराइल ने ईरान पर साझा हमला बोल दिया। इसका एलान करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति ने जो कहा, उसका अर्थ यही था कि वे इतने से संतुष्ट नहीं है, बल्कि ईरान में सत्ता परिवर्तन उनका मकसद है, ताकि पश्चिम एशिया में आगे चल कर इजराइल को चुनौती दे सकने वाला कोई देश ना रहे। इस उद्देश्य में अमेरिका- इजराइल को आरंभिक सफलता भी मिली। उनके हमलों में ईरान के सर्वोच्च धार्मिक नेता आयतुल्लाह खामेनई मारे गए।

लेकिन अब यह स्पष्ट है कि उससे तखता पलट का मकसद तुरंत हासिल होने नहीं हुआ है। ईरान के इस्लामी शासन ने उत्तराधिकार की कई स्तरों की व्यवस्था की हुई है, जिसमें आपातकालीन उत्तराधिकार भी शामिल है। खामेनई के उत्तराधिकारियों ने चंद घंटों के अंदर जिस तरह इजराइल के अंदर तथा विभिन्न खाड़ी देशों में अमेरिकी सैन्य एवं अन्य ठिकानों को निशाना बनाया, उसका यही पैगाम है कि ईरान ने लंबी लड़ाई की तैयारी कर रखी है। कोरिया और वियतनाम युद्धों के बाद कभी ऐसा नहीं हुआ कि किसी शक्ति ने अमेरिकी सैन्य अड्डों पर इतने बेखौफ ढंग से हमले किए हों।

उधर पूरा पश्चिम एशिया लड़ाई के दायरे में आता दिख रहा है, जिससे क्षेत्रीय युद्ध के अंदेशे ने ठोस रूप ले लिया है। इसके बीच 'छोटी और निर्णायकÓ लड़ाई की डॉनल्ड ट्रंप की मंशा पूरी होने की संभावना कम ही है। तखता पलट के बिना आखिर क्या वो मकसद होगा, जिससे ट्रंप अपनी जीत का एलान कर सकें, यह उन्होंने स्पष्ट नहीं किया है। इस रणनीतिक अस्पष्टता के कारण युद्ध का लंबा खिंचा, तो उसकी आंच दुनिया भर तक पहुंचेगी। ईरान ने होरमुज खाड़ी और उसके सहयोगी यमन स्थित अंसारुल्लाह (हूती) ने लाल सागर को बंद करने का एलान किया है। इससे विश्व स्तर पर ऊर्जा संकट खड़ा हो सकता है। उसके गहरे वित्तीय एवं आर्थिक परिणामों की आशंका मंडराने लगी है।

ब्लॉग

उत्तर प्रदेश में भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच उपजे असंतोष को सूझबूझ पूर्वक पाट रहे हैं योगी आदित्यनाथ!

कमलेश पांडे

उत्तर प्रदेश में भाजपा के संगठनात्मक पदों और सरकारी निकायों के पदों पर नियुक्तियों में विलंब मुख्य रूप से जातीय-क्षेत्रीय संतुलन, आंतरिक खींचतान और केंद्रीय नेतृत्व के मंथन के कारण हो रहा है। इससे कार्यकर्ताओं में असंतोष बढ़ा है, हालांकि मार्च 2026 तक बड़े बदलाव की तैयारी चल रही है। आलम यह है कि प्रदेश के सभी 16 नगर निगम में 10-10 मनोनीत होने वाले पार्षदों की नियुक्ति अटकी पड़ी है, जबकि तीन साल बीतने को है। विभिन्न बोर्डों की भी यही स्थिति है। इससे विधानसभा चुनाव 2027 में पार्टी की रणनीति पर भी असर पड़ना लाजिमी है, क्योंकि अमित शाह और योगी आदित्यनाथ की रस्साकशी में कार्यकर्ताओं में निराशा है।

जहां तक विलंब के प्रमुख कारण की बात है तो जातीय एवं सामाजिक समीकरण इसकी पहली वजह है। भाजपा का ओबीसी करण होने से पार्टी के वफादार कार्यकर्ताओं में रोष गहराता जा रहा है। इसका असर 2027 में होने वाले विधानसभा चुनावों और 2026 में होने वाले त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों पर अवश्य पड़ेगा। लिहाजा पार्टी इससे पहले सभी वर्गों (ओबीसी, दलित, सवर्ण, खासकर ब्राह्मण राजपूत आदि) को प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने में जुटी है, जिसपर प्रदेश अध्यक्ष और सरकार के मुखिया की खींचातानी से चयन अटका हुआ बताया जाता है।

वहीं पार्टी की आंतरिक गुटबाजी जैसे सांसदों-विधायकों के बीच खींचतान और केंद्रीय नेतृत्व व आरएसएस के बीच वैचारिक मतभेद (चुनावी साख बनाम संगठन अनुभव) से कई पद लंबित हैं। वहीं, सरकारी पदों पर देरी यानी निगमों, बोर्डों और आयोगों के 100+ रिक्त पदों पर पार्टी-संगठन व सरकार के बीच समन्वय की कमी, साथ ही योगी सरकार की मंजूरी का इंतजार है। अब तक ऐसा नहीं होने से जमीनी कार्यकर्ताओं में असंतोष स्वाभाविक है।

खासकर वफादार कार्यकर्ता कार्यगत पुरस्कार न मिलने, लगातार चुनावी मेहनत के बावजूद पद न पाने से नाराज हैं; जिसके चलते कतिपय जिलों में सामूहिक इस्तीफे तक हुए। योगी-केशव जैसे नेताओं के बीच अनबन की अटकलें भी असंतोष बढ़ा रही हैं। वर्तमान स्थिति यह है कि पंकज चौधरी दिसंबर 2025 में प्रदेश अध्यक्ष बने, जिससे 70+ जिलाध्यक्ष घोषित हो चुके हैं। जबकि होली के बाद मिशन-2027 के तहत नई टीम, क्षेत्रीय अध्यक्षों में बदलाव की घोषणा संभावित है, जिसके दृष्टिगत पर्यवेक्षक भेजे गए हैं।

वहीं उत्तर प्रदेश भाजपा कार्यकर्ताओं के असंतोष को कम करने के लिए संगठनात्मक बदलाव, प्रत्यक्ष संवाद, प्रशिक्षण अभियान और पदों पर समायोजन जैसे कदम उठाए जा रहे हैं। ये प्रयास मुख्य रूप से 2027 चुनाव की तैयारी के तहत होली के बाद अब तेज हो रहे हैं। इस निमित्त कई संगठनात्मक कदम उठाए जा चुके हैं और कुछ प्रक्रिया धीन हैं। जहां तक नई टीम के गठन की बात है तो प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के नेतृत्व में होली बाद बड़े फेरबदल, जिलाध्यक्षों-क्षेत्रीय अध्यक्षों की नियुक्तियां, जातीय संतुलन बनाकर कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी मिलेगी। वहीं, सरकारी पदों पर समायोजन यानी निगमों, बोर्डों, आयोगों के खाली पदों पर कार्यकर्ताओं की सूची तैयार है, और मिशन-2027 के तहत तोहफा के रूप में वितरण कार्य शेष रहने की खबर है।

संवाद एवं प्रशिक्षण प्रयास के तहत प्रत्यक्ष मुलाकातें हो रही हैं। 'कार्यकर्ता सर्वप्रथम' मंत्र से वन-टू-वन मैपिंग, वीआईपी संस्कृति खत्म कर रूठे कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद; सीएम योगी विधायकों से नियमित बैठकें कर रहे हैं।वहीं डिजिटल एवं वैचारिक प्रशिक्षण के तहत कार्यकर्ताओं को डिजिटल हथियार से लैस करने का अभियान, और बूथ स्तर पर नीतियां-कार्यपद्धति सिखाना जारी है। आरएसएस-बीजेपी में समन्वय की कोशिशें परवान चढ़ी हुई हैं।आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत से योगी की मुलाकातें, कानपुर समन्वय बैठक में असंतोष मुद्दों पर चर्चा हुई, जिसके दृष्टिगत आंतरिक कलह सुलझाने की कोशिश जारी है।

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भाजपा कार्यकर्ताओं की नाराजगी संभालने के लिए प्रत्यक्ष बैठकें शुरू कर दी है। आरएसएस-बीजेपी समन्वय मंचों पर खुली चर्चा और जमीनी मुद्दों पर आश्वासन जैसे कदम उठाए हैं। मार्च 2026 तक गोरखपुर व कानपुर जैसी जगहों पर ये प्रयास तेज हुए। प्रत्यक्ष संवाद हो रहे हैं। खुद योगी ने 200+ विधायकों, सांसदों व पूर्व नेताओं से अलग-अलग मुलाकातें कीं, जहां उन्होंने पार्टी की हार के कारणों (कार्यकर्ता-सरकार डिस्कनेक्ट) को सुने और विपक्षी प्रचार पर जवाब देने को कहा। साथ ही जमीनी स्तर पर समस्याओं (जैसे अस्पताल बेड) के समाधान का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री की आरएसएस से समन्वय बैठकें भी चल रही हैं। गोरखपुर (मार्च 2026) में पदाधिकारियों से मन की बात सुनकर जवाब दिए, और एआई (AI) युग व कैशलेस इलाज जैसे सवाल हल किए। वहीं कानपुर (मार्च 2026) में आरएसएस के साथ बैठक में कार्यकर्ता सम्मान, यूजीसी नियमों से सवर्ण असंतोष, स्थानीय विवादों पर चर्चा हुई; साथ ही अनुशासनहीनता पर कार्रवाई व बेहतरी का आश्वासन दिया। जबकि अन्य प्रयास के तहत बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं को निर्देश दिए कि एसआईआर (SIR) फॉर्म भरें, मतदाता जागरूकता कैंप लगाएं; और अफसरों से कार्यकर्ता शिकायतें दूर करने को कहा। साथ ही कार्यकर्ताओं से 'कैंडिड फीडबैक' भी लिया।

देखा जाए तो योगी आदित्यनाथ की रणनीति ने उत्तर प्रदेश भाजपा में आंतरिक एकता को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, खासकर क्षेत्रीय समन्वय बैठकों और प्रत्यक्ष संवाद से। इससे कार्यकर्ताओं की नाराजगी घटी और 2027 चुनाव की तैयारी एकजुट हुई। वहीं क्षेत्रीय समन्वय बैठकें भी हुईं। योगी ने छह क्षेत्रों (अवध, काशी, गोरखपुर, कानपुर, ब्रज, पश्चिम) में आरएसएस-बीजेपी समन्वय बैठकें आयोजित कीं, जहां कार्यकर्ता शिकायतें (अधिकारियों का रवैया, सम्मान की कमी) सुनीं और तत्काल समाधान पर मंथन हुआ। साथ ही आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत से लखनऊ में हुई मुलाकात ने संगठन-सरकार तालमेल बढ़ाया, जातीय समीकरणों व यूजीसी नियम विवादों को सुलझाया।

मुख्यमंत्री और आरएसएस ने जमीनी स्तर पर एकीकरण मजबूत करने पर जोर दिया। खासकर बूथ मजबूती पर जोर देते हुए एसआईआर (SIR) अभियान समीक्षा, मतदाता पुनरीक्षण से कार्यकर्ताओं को नई जिम्मेदारी, वीआईपी (VIP) संस्कृति खत्म कर प्रत्यक्ष फीडबैक लिया।इससे नेताओं से मुलाकातें भी तेज हुईं। योगी आदित्यनाथ 200+ विधायकों-सांसदों से अलग-अलग चर्चा करते हुए, पार्टी की कमजोरियां सुधारने का आश्वासन दिया। कानपुर बैठक में अनुशासन व सुधार पर बल दिया गया।परिणामस्वरूप एकता मजबूत हुई। इन प्रयासों से आंतरिक कलह कम हुई, नई संगठनात्मक टीम गठन संभव हुआ, और मिशन-2027 के लिए सभी वर्ग एकजुट हुए। वही 2024 चुनाव में मिले सबकों पर अमल होने से बूथ मजबूत हुआ।

डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य का विपक्ष पर बड़ा हमला, बोले- 'बाजा बजा देंगे अफवाह फैलाने वालों का'

आर्यावर्त संवाददाता

प्रयागराज। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने शनिवार को संगम नगरी आगमन पर विपक्ष के खिलाफ कड़ा रुख अख्तियार किया। पुलिस लाइन हेलीपैड और सर्किट हाउस में कार्यकर्ताओं द्वारा जोरदार स्वागत के बीच पत्रकारों से वार्ता करते हुए उन्होंने राहुल गांधी और अखिलेश यादव पर घटिया राजनीति करने का आरोप लगाया।

गैस सिलिंडर की आपूर्ति को लेकर देश में फैल रही खबरों पर डिप्टी सीएम ने तीखा पलटवार किया। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, 'अफवाह गांधी' और 'अफवाह यादव' विपक्ष के ये नेता केवल दुष्प्रचार कर रहे हैं, ताकि जनता में भ्रम और डर पैदा हो। वैश्विक संकट की इस घड़ी में उन्हें देश के साथ खड़ा होना चाहिए था, लेकिन वे अपनी राजनीति चमका रहे हैं। केशव प्रसाद मौर्य ने चेतावनी भरे लहजे में कहा, आने वाले समय में अफवाह फैलाने वाले इन दोनों नेताओं का हम बाजा बजा देंगे।

आंकड़ों से दिया जवाब: 55 लाख की जगह 75 लाख बुकिंग

गैस की किल्लत के दावों को नकारते हुए उन्होंने आंकड़े पेश किए। उन्होंने बताया कि पहले जहां प्रतिदिन 55 लाख सिलिंडर बुक होते थे, वहीं अब यह संख्या बढ़कर 75 लाख तक पहुंच गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि आपूर्ति सुचारू है और सरकार हर नागरिक तक सिलिंडर पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

मोदी की सफल विदेश नीति: ईरान से आ रहा है कच्चा तेल

ईरान, इस्राइल और अमेरिका के बीच जारी तनाव और खाड़ी देशों के युद्ध संकट पर डिप्टी सीएम ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व की सराहना की। उन्होंने कहा वैश्विक संकट के बावजूद पीएम मोदी की सशक्त विदेश नीति के कारण ईरान से भारत में क्रूड ऑयल और गैस सफलतापूर्वक आ रही है। दुनिया देख रही है कि संकट के समय में भी भारत का झंडा बुलंद है और आगे भी रहेगा।

2027 में फिर आएगी प्रचंड बहुमत की सरकार

आगामी चुनावों पर चर्चा करते हुए केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि देश के अंदर कोई संकट नहीं है। भाजपा अब पूरी मजबूती के साथ चुनावी तैयारियों में जुट गई है। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में विरोधियों को हराकर फिर प्रचंड बहुमत हासिल करेंगे। पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और आगामी जिला पंचायत चुनावों के लिए रणनीति तैयार है। इससे पहले पुलिस लाइन पहुंचने पर महापौर गणेश केसरवानी, महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता और अन्य जिला अध्यक्षों ने उनका स्वागत किया। स्वागत करने वालों में मुख्य रूप से क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अवधेश चंद्र गुप्ता, मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी, निर्मला पासवान, राजेश शुक्ला, राजेंद्र मिश्रा, मृत्युंजय तिवारी, वरुण केसरवानी, आशीष गुप्ता, सुबोध सिंह आदि मौजूद रहे।

साफ्टवेयर इंजीनियर बना साधु, 15 साल पहले छोड़ गया था पत्नी और बच्चे ; अचानक लौटा तो घरवाली ने किया ये हश्र

आर्यावर्त संवाददाता

मथुरा। मथुरा के थाना बलदेव क्षेत्र में हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। 15 साल पहले पत्नी और बच्चों को छोड़कर गया पति अचानक ही साधु के वेष में लौटा। सूचना मिलते ही पत्नी ने उसकी पीछा शुरू कर दिया। मांट रेलवे क्रॉसिंग पर उसे पकड़ लिया। इस दौरान पति की पिटाई कर दी। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

पीड़ित महिला के अनुसार, उसका विवाह 19 वर्ष पूर्व थाना मांट क्षेत्र के एक युवक से हुआ था। युवक मूल रूप से पठानकोट, जालंधर में एक कंपनी में सॉफ्टवेयर इंजीनियर के पद पर कार्यरत था। आरोप है कि यहीं उसकी कंपनी में काम करने वाली एक अन्य महिला से उसके संबंध बन गए, जिसके बाद उसने अपनी पत्नी और बच्चों को छोड़कर प्रेमिका के साथ रहना शुरू कर दिया।

पीड़िता को आज पति के राया आने की सूचना मिली। इसके बाद महिला ने अपने परिचितों और स्थानीय लोगों के सहयोग से मांट क्रॉसिंग के समीप उसे रोक लिया। भीड़ ने आरोपी की कार का शीशा तोड़ दिया और उसकी जमकर पिटाई की। इस घटना के कारण सड़क पर लोगों की भीड़ जमा हो गई, जिससे यातायात बाधित हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और साधु वेशधारी व्यक्ति को थाने ले आई। पुलिस मामले की जांच कर रही है और दोनों पक्षों से पूछताछ की जा रही है।

सरकारी वकीलों के दफ्तर में स्टाफ की कमी पर हाईकोर्ट नाराज, यूपी सरकार से मांगा जवाब

आर्यावर्त संवाददाता

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सरकारी अधिवक्ताओं के कार्यालय में लंबे समय से खाली पड़े पदों और स्टाफ की कमी को लेकर नाराजगी जताई है। कहा कि स्टाफ की कमी और फाइल के सही रखरखाव की व्यवस्था न होने से मामलों की सुनवाई प्रभावित हो रही है, जो न्याय प्रशासन में बाधा के समान है। यह टिप्पणी न्यायमूर्ति अजित कुमार और न्यायमूर्ति स्वरूपमा चतुर्वेदी की खंडपीठ ने सुबेदार यादव की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया। मामले की अगली सुनवाई 16 मार्च को होगी।

सुबेदार के मामले में सुनवाई के दौरान पहले कोर्ट को बताया गया था कि संबंधित अधिकारियों से निर्देश प्राप्त नहीं हुए हैं, जिस पर डीएम को तलब करने का निर्देश दिया गया था। बाद में अतिरिक्त मुख्य स्थायी अधिवक्ता ने कोर्ट को बताया कि निर्देश व्हाट्सएप पर भेजे गए थे पर उन्हें डाउनलोड कर प्रिंट नहीं किया जा सका, जिससे गलती से यह कहा गया कि निर्देश प्राप्त नहीं हुए।

कोर्ट ने कहा कि हाल के समय में कई मामलों में यह देखा गया है कि सरकारी विभाग समय पर निर्देश नहीं भेजते और सरकारी वकीलों के रिकॉर्ड भी अद्यतन नहीं रहते। फाइल समय से उपलब्ध न होने से अधिवक्ता कोर्ट को सही जानकारी नहीं दे पाते। इससे सुनवाई में अनावश्यक देरी होती है। शासकीय अधिवक्ताओं ने दलील दी कि यह स्थिति सरकारी अधिवक्ताओं के कार्यालय में तृतीय और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की कमी के कारण है। नियुक्ति की प्रक्रिया राज्य सरकार की अनुमति से ही होती है।

सरकारी बताए...खाली पदों के लिए क्या कदम उठाए जा रहे

कोर्ट ने राज्य सरकार और महाधिवक्ता कार्यालय से पूछा है कि सरकारी अधिवक्ताओं के कार्यालय में खाली पदों पर भर्ती तेज करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं। कोर्ट ने कहा कि इस संबंध में संबंधित सचिव अगली सुनवाई तक हलफनामा दाखिल करें। ऐसा न करने पर कोर्ट इस मामले को गंभीरता से लेने के लिए विवश होगा।

जिला महिला चिकित्सालय में लगने लगा सर्वाइकल कैंसर का टीका

सुलतानपुर। जिला महिला चिकित्सालय में सर्वाइकल कैंसर का टीकाकरण अभियान का शुभारम्भ मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा० भारत भूषण द्वारा किया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा० भारत भूषण ने बताया कि टीकाकरण सरकार के सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम के तहत नही, बल्कि विशेष राष्ट्रीय अभियान के रूप में चलाया जा रहा है। अभियान में गार्डासिल नाम के क्वाड्रिवैलेंट एचपीवी टीके की एक खुराक दी जायेगी। यह टीका एचपीवी के टाइप 16 एवं 18 से सुरक्षा देता है, जो सर्वाइकल कैंसर के मुख्य कारण है। यह टाइप 6 एवं 11 से भी बचाव करता है। विशेषज्ञों का कहना है, 14 साल की उम्र में एक डोज देने से मजबूत व लंबे समय तक सुरक्षा मिलती है। भारत में महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर दूसरा सबसे आम कैंसर है। हर साल 80 हजार नए मामले सामने आते है और 42 हजार से अधिक महिलाओं की मौत हो जाती है।

बरेली-पीलीभीत में कड़ी निगरानी के बीच परीक्षा शुरू, अभ्यर्थियों के जूते-मोजे उतरवाए गए

आर्यावर्त संवाददाता

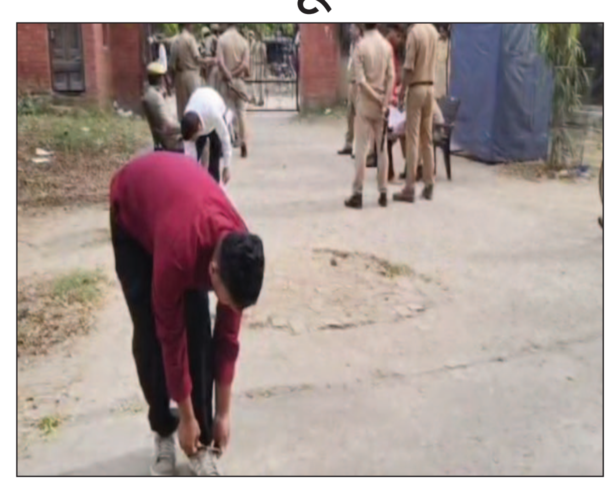

बरेली। उत्तर प्रदेश भर्ती प्रोन्नति बोर्ड की ओर से आयोजित उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा (दरोगा भर्ती परीक्षा) बरेली के 19 केंद्रों पर शनिवार सुबह कड़ी निगरानी के बीच शुरू हुई। दो दिन होने वाली परीक्षा के लिए 32,640 परीक्षार्थी पंजीकृत हैं। पहले दिन सघन तलाशी और बायोमैट्रिक सत्यापन के बाद अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्रों में प्रवेश दिया गया। अभ्यर्थियों के जूते-मोजे भी उतरवा दिए गए। पहली पाली की परीक्षा सुबह दस से दोपहर 12 बजे तक तो दूसरी पाली अपराह्न तीन से शाम पांच बजे तक होगी।

दरोगा भर्ती परीक्षा के दौरान सभी केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों से निगरानी कराई जा रही है। सभी केंद्रों पर 950 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। 836 शिक्षकों व 450 पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। शुक्रवार से ही परीक्षा केंद्रों पर पुलिस बल की तैनाती कर दी गई थी। परीक्षा में सेंधमारी की कोशिश करने वालों पर सुरक्षा एजेंसियां नजर बनाए हुए हैं। अफसर भी भ्रमणशील है।

पीलीभीत के छह केंद्रों पर परीक्षा

पीलीभीत शहर के छह परीक्षा केंद्रों पर आयोजित दरोगा भर्ती परीक्षा की पहली पाली में प्रतिभाग करने वाले परीक्षार्थियों को सघन जांच के बाद केंद्र में प्रवेश दिया गया। दो पालियों में होने वाली इस परीक्षा की प्रत्येक पाली में 1440 परीक्षार्थी प्रतिभाग करेंगे। शनिवार को सुबह आठ बजे से ही अभ्यर्थियों को भीड़ परीक्षा केंद्रों पर जुटने लगी थी।

शहर के ड्रमंड राजकीय इंटर कॉलेज कॉलेज, रामा इंटर कॉलेज, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, उपाधि महाविद्यालय के परीक्षा केंद्र पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। परीक्षार्थियों की जांच, इलेक्ट्रानिक गैजेट आदि उपकरण तो नहीं है इसकी पड़ताल की गई। जूते पहनकर आए अभ्यर्थियों की जूते-मोजे उतरवा कर तलाशी ली गई। इसके बाद ही प्रवेश दिया गया। परीक्षा को लेकर शहर के सभी प्रमुख चौराहों पर पुलिस बल की तैनाती की गई है।

दो दिन, चार पालियों में होगी परीक्षा

पुलिस उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा शनिवार और रविवार को चार पालियों में कराई जाएगी। पहली पाली सुबह 10 से 12 बजे तक और दूसरी पाली में दोपहर 3 से शाम पांच बजे तक परीक्षा कराई जाएगी।

संतराम हत्याकांड में बड़ा मोड़, हाईकोर्ट ने भाजपा नेता पर कार्रवाई की रद्द

सुलतानपुर। बहुचर्चित संतराम अग्रहरी हत्याकांड में अब बड़ा कानूनी मोड़ सामने आया है। लखनऊ हाईकोर्ट ने मामले में भाजपा नेता अर्जुन पटेल और उनके भाई प्रदीप पटेल के खिलाफ पुलिस द्वारा की गई कुछ कार्रवाई को निरस्त कर दिया है। न्यायमूर्ति पंकज भाटिया की एकल पीठ ने सुनवाई करते हुए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 84 के तहत जारी उद्घोषणा को प्रक्रिया का उल्लंघन मानते हुए रद्द कर दिया। साथ ही भारतीय न्याय संहिता की धारा 209 के तहत शुरू की गई कार्रवाई को भी समाप्त कर दिया गया। हालांकि हाईकोर्ट ने निचली अदालत को यह छूट दी है कि वह कानून के अनुसार मामले में आगे की कार्रवाई कर सकती है। गौरतलब है कि 8 अक्टूबर 2024 को दोस्तपुर थाना क्षेत्र के गोसैसिंहपुर में संतराम अग्रहरी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

सिलिंडर नहीं मिला तो मिट्टी के चूल्हे पर पक रहा था खाना, कुकर फटने से मासूम समेत चार झुलसे

आर्यावर्त संवाददाता

बरेली। बरेली में रसोई गैस सिलिंडर की किल्लत से जूझ रहे परिवार पर मुसीबत टूट पड़ी। सिलिंडर खत्म होने पर घर में मिट्टी के चूल्हे पर खाना बनाने के दौरान कुकर फट गया और परिवार के चार लोग झुलस गए। इनमें एक बच्चे की हालत गंभीर बनी हुई है। पीड़ितों को जिला अस्पताल के बर्न वार्ड में भर्ती कराया गया है।

जिला अस्पताल के बर्न वार्ड में कैंट के नकटिया निवासी राम सिंह ने बताया कि शुक्रवार शाम उनकी पत्नी नन्ही देवी मिट्टी के चूल्हे पर उड़द-राजमा बना रही थीं। पास में बच्चे बैठे थे। अचानक कुकर फट गया। इससे बेटा कार्तिक, बेटी नेहा, देवांश और नन्ही देवी झुलस गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और एंबुलेंस से घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती करा दिया। हादसे में छोटा बेटा कार्तिक का पूरा शरीर जल गया है। उसे जिला अस्पताल के बर्न वार्ड में भर्ती कराया गया है।

लाइन में लगने के बाद भी नहीं मिला सिलिंडर

राम सिंह ने बताया कि करीब दस दिनों से गैस सिलेंडर की किल्लत चल रही है। लंबी लाइन में लगने के बाद भी सिलिंडर नहीं मिल पा रहा था। मजबूरी में पत्नी ने मिट्टी के चूल्हे पर खाना बनाना शुरू किया था। इसी दौरान यह हादसा हो गया। उन्होंने बताया कि वह मजदूरी करके परिवार पालते हैं।

स्मार्ट मीटर का साइड इफेक्ट आने लगा सामने, दर्जनों घरों की बिजली अचानक गुल

सुलतानपुर। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा लगाए जा रहे स्मार्ट मीटर अब उपभोक्ताओं के लिए परेशानी का कारण बनते नजर आ रहे हैं। शहर के कई इलाकों में स्मार्ट मीटर से जुड़ी समस्याएं सामने आने लगी हैं, जिससे आम नागरिकों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। बीती रात शहर के दर्जनों घरों की बिजली सप्लाई अचानक बंद हो गई, जिससे लोगों में हड़कंप मच गया। बिजली गुल होने से परेशान उपभोक्ता बड़ी संख्या में दरियापुर विद्युत केंद्र पहुंच गए और अधिकारियों से अपनी समस्या का समाधान करने की गुहार लगाई। उपभोक्ताओं का कहना है कि उन्होंने समय पर अपना बिजली बिल जमा कर दिया है इसके बावजूद स्मार्ट मीटर में बिल माइनस में दिख रहा है और अचानक सप्लाई भी काट दी जा रही है। इस कारण कई सामान्य उपभोक्ताओं को हजारों रुपये के अतिरिक्त बिजली बिल का झटका भी झेलना पड़ रहा है।

देवर-भाभी समेत तीन के मिले शव : पहले की पार्टी, फिर मौत को लगा लिया गले, खेत की झुकी फसल दे रही दूसरा संकेत

आर्यावर्त संवाददाता

खुर्जा (बुलंदशहर)। मौत की भयावह घटना के पहले देवी सरकार, सरल और बच्ची ने पार्टी की थी। पुलिस को घटनास्थल से चिप्स के पैकेट, कोल्डड्रिंक, पराठे और पानी की बोतल मिली है। फोरेंसिक टीम को सरल सरकार की जेब से 6,120 रुपये मिले हैं। इससे ऐसा लग रहा है कि आर्थिक तंगी जैसा मामला नहीं था। ऐसे में एक साथ आत्महत्या करने का क्या कारण रहा, यह सोचकर पुलिस अधिकारी भी उलझ रहे हैं।

नेहरूपुर गांव निवासी राजेश ने बताया कि एक साथ तीन शवों को देख होश उड़ गए थे, जिसके बाद गांव के अन्य लोग भी आ गए थे। रेलवे लाइन होने के कारण गांव के लोग किनारे पर कम ही जाते हैं, लेकिन बच्ची, युवक व महिला का एक साथ शव देख रूह कांप गई थी। वहीं सीओ शोभित कुमार ने बताया कि मौके पर खाने-पीने की कई चीजें मिलीं। वहीं, फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल पर जांच के लिए चार घेरे बनाए। एक घेरे में पेड़, तीनों शव, दो जोड़ी चप्पलें, तौलिया, थैला व टूटा हुआ मोबाइल था। दूसरे घेरे में 20 रुपये वाले चिप्स के चार पैकेट, जिसमें एक खुला व तीन बंद, खुली हुई दो लीटर की बोतल में पानी और खुली हुई 20 रुपये की एक फ्रूटी की बोतल थी।

तीसरे घेरे में चप्पल, चिप्स, पॉलीथिन में बंद पराठा, सेब और दो प्लास्टिक के कट्टे मिले। इससे लग रहा था कि तीनों लोगों ने पहले पार्टी की थी। इसके बाद आत्महत्या की। मौके पर पहुंचे पुलिस अधिकारी भी एक साथ तीन लोगों के शव देखकर सकते में आ गए। बच्ची का शव देखकर पुलिस अधिकारियों का भी दिल पसीज गया।

थैले से मिली शिनाख्त में मदद

सुबह करीब आठ बजे पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई थी। 11 बजे तक दो थानों की पुलिस टीमें मृतकों की शिनाख्त में जुटी रहीं। पुलिस को घटनास्थल पर एक थैला मिला, जिस पर बंगाली भाषा लिखी थी और पश्चिम बंगाल का पता था। पुलिस ने इसी के आधार पर नेहरूपुर की पॉटरी इकाइयों में काम करने वाले पश्चिम बंगाल के मजदूरों को मृतक की फोटो भेजी। इसके बाद सरल सरकार की पहचान हो गई। जानकारी मिली कि वह अविवाहित था। पुलिस ने अन्य मजदूरों से पूछताछ कर महिला की शिनाख्त कराई।

खेत की झुकी फसल दे रही दूसरा संकेत

फोरेंसिक टीम ने चौथा घेरा खेत की ओर बनाया। वहां पर गेंहू की फसल सीधी खड़ी थी, लेकिन किनारे पर चार फुट हिस्से की फसल नीचे झुकी थी। ऐसा प्रतीत हो रहा था कि जैसे किसी भारी वस्तु से फसल दबी हो या कोई व्यक्ति वहां पर बैठा रहा हो। वहीं पर देवी सरकार का मोबाइल और एक ईयरफोन भी मिला। संभवतः वहां पर देवी सरकार या सरल आराम कर रहे थे। दोनों की मौत का समय अलग है।

पहले दुपट्टे से फंदा लगाने का प्रयास

पेड़ की एक टहनी पर रस्सी के फंदे से देवी सरकार का शव लटका हुआ था। वहीं छह इंच नीचे दूसरी टहनी पर देवी सरकार का दुपट्टा बंधा हुआ था। पुलिस आशंका जता रही है कि देवी सरकार ने पहले दुपट्टे से फंदा लगाने का प्रयास किया। सफल नहीं होने पर रस्सी से खुदकुशी की। लेकिन यदि दुपट्टे से ही खुदकुशी करनी थी तो रस्सी को कौन लेकर आया था। यदि रस्सी खुदकुशी के लिए लाई गई थी तो दुपट्टा क्यों बांधा गया।

दवा पर भी असर, पैरासिटामॉल समेत कई साल्ट हो गए महंगे

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। इजराइल-अमेरिका और ईरान के युद्ध की वजह से पैरासिटामॉल समेत कई दवाओं के साल्ट मंहगे हो गए हैं। दवा में इस्तेमाल होने वाला कच्चा माल (एक्टिव फार्मास्युटिकल इंग्रेडिएंट-एपीआई) 25 से 40 फीसदी तक महंगा होने से दवाओं के उत्पादन पर असर पड़ रहा है।

हालत यह है कि दवाओं के दाम में 20 से 40 फीसदी तक उछाल आ गया है। एपीआई के दाम में बढ़ोतरी से फार्मा उद्यमियों के ऑर्डर को डिस्ट्रीब्यूटर व एपीआई उत्पादकों ने रद्द कर नए दाम पर ऑर्डर देने को कहा है।

जिला ड्रगिस्ट एंड केमिस्ट एसोसिएशन के मुताबिक दवाओं के कच्चे माल की कीमतों में वृद्धि ने स्थिति गंभीर बना दी है। एपीआई के दाम में बढ़ोतरी से सस्ती दवा बनाना मुश्किल हो गया है। दवा कंपनियां सरकार की तय कीमतों के तहत ही जरूरी दवाओं का उत्पादन करती हैं, लेकिन कच्चे माल के दाम बढ़ने के बावजूद दवाओं की कीमत बढ़ाना संभव नहीं है। ऐसे में उद्योगों को काफी नुकसान उठाना पड़ सकता है।

एसोसिएशन के महामंत्री रजनीश कौशल रज्जन बताते हैं कि एपीआई के दाम अचानक बढ़ा दिए गए हैं। अगर इसी तरह कीमतों में वृद्धि जारी रही तो दवा उत्पादन प्रभावित होना तय है। रजनीश कौशल ने बताया कि 40 फीसदी तक दवाओं के दाम बढ़ गए हैं। उन्होंने चेताया कि आने वाले समय में जीवन रक्षक दवाओं की वैश्विक बाजार में कमी भी हो सकती है।

ऐसे बढ़ गई दवा की कीमतें

दवा कारोबारी आयुष ने बताया कि गले के इन्फेक्शन में काम आने वाले एजिथ्रोमाइसिन की तीन गोली 80 रुपये की थीं जो अब 98 रुपये की हो गई हैं। इसी तरह ग्लिसरीन की 100 ग्राम की शीशी के दाम 160 रुपये हो गए हैं। 10 गोली का पैरासिटामॉल का पत्ता आठ से बढ़कर 14 रुपये हो गया है।

मोंटेलूकास्ट सोडियम की 10 गोली का पत्ता 180 रुपये का था, जो अब 240 का हो गया है। दर्द निवारक डायक्लोफेनक सोडियम की 10 गोली 20 रुपये की थीं, जो अब 35 रुपये की हो गई है। ऐसे ही एंटीबायोटिक सिप्रोफ्लोक्सेसिन का 10 गोली का पत्ता 48 के बजाय 60 रुपये में मिलेगा। एंटीबायोटिक एमिकासिन का 10 गोली का पत्ता 113 से बढ़कर 140 रुपये का हो गया है।

एपीआई के पुराने और नए दाम

दवा	पुराना दाम	नया दाम
अस्क्लोफिनेक	935	975
पैरासिटामॉल	255	310
क्लोरोग्जोन	710	880
एमडीसी	45	60
मिथाइलकोबालामिन	1.15 लाख	1.35 लाख
पोटेशियम क्लैवुलनेट	15000	17500
प्लेन पॉली	360	390
बेस पॉली	410	450
पॉली बैग	114	170
पीवीसी	112	150

शीशे सा चमकता चेहरा, वजन होगा कम... फॉलो करें 'रेनबो डाइट', ये रहा तरीका

वेट लॉस करना हो या फिर त्वचा को अंदर से हेल्दी बनाना हो। इसमें खाना सबसे अहम भूमिका निभाता है। ऐसी ही है 'रेनबो डाइट'। ये न सिर्फ वजन को कंट्रोल करने में हेल्पफुल है, बल्कि त्वचा को भी नेचुरली चमकदार बनती है। तो चलिए जान लेते हैं कि इस डाइट को कैसे फॉलो करें।

हेल्दी और चमकदार त्वचा के लिए लोग अक्सर महंगे प्रोडक्ट खरीदते हैं, लेकिन ये आपकी त्वचा की सिर्फ ऊपरी देखभाल ही करते हैं। सही मायने में स्किन को नेचुरली चमकदार बनाना है तो आपको पोषक तत्वों से भरपूर बैलेंस डाइट लेनी चाहिए। दरअसल हमारी रोज की खानपान की आदतें न सिर्फ सेहत पर बल्कि त्वचा पर भी असर डालती हैं। एक्सपर्ट भी अक्सर ये सलाह देते हैं कि नेचुरल ग्लो पाना है तो अपने खाने में ज्यादा से ज्यादा कलरफुल फ्रूट और सब्जियों को शामिल करना चाहिए। इस आर्टिकल में जानेंगे रेनबो डाइट के बारे में जो इसी कॉन्सेप्ट पर बेस्ड है।

दरअसल जब आप रेनबो डाइट लेते हैं तो इससे आपके शरीर को विटामिन और मिनरल्स अच्छी मात्रा में मिलते हैं। जो आपकी ओवरऑल हेल्थ को दुरुस्त बनाए रखने के साथ ही चेहरे और बालों पर भी इसका पॉजिटिव असर दिखता है। इस डाइट को फॉलो करने से विटामिन सी से लेकर प्लांट बेस्ड प्रोटीन और अमीनो एसिड्स भी मिलते हैं। इससे कोलेजन सही रहता है जिससे त्वचा साफ होने के साथ ही यंग भी बनाए रखने में मदद मिलेगी।

लाल रंग के फूड्स

रेनबो डाइट में लाल रंग के फल और सब्जियों को शामिल किया जाता है जिनमें लाइकोपीन, विटामिन C और एंथोसायनिन जैसे पोषक तत्व होते हैं। ये आपकी त्वचा में कोलेजन बनने के प्रोसेस में हेल्प करते हैं और विटामिन सी इम्यूनिटी को भी बूस्ट करता है। इन फूड्स को खाने से ब्लड सर्कुलेशन भी बेहतर होता है, इससे आपकी स्किन चमकदार बनती है।

कौन से रेड फूड्स खाएं?

रेनबो डाइट में आप रेड फूड्स में टमाटर, तरबूज, स्ट्रॉबेरी, चुकंदर, लाल अंगूर, चेरी, सेब, अनार, केसर, आलूबुखारा, जैसी चीजें खा सकते हैं। इससे विटामिन सी के साथ ही बी कॉमप्लेक्स और आयरन भी मिलेगा।

नारंगी और पीले रंग के फूड्स

रेनबो डाइट में ऑरेंज कलर के फूड भी शामिल किए जाते हैं जो बीटा-कैरोटीन, ल्यूटिन, अल्फा-कैरोटीन से भरपूर होते हैं। ये भी आपकी त्वचा और ओवरऑल हेल्थ के लिए फायदा करते हैं। ये आपकी स्किन की ऊपरी लेयर को हेल्दी बनाते हैं और कोशिकाओं को मजबूत करते हैं।

नारंगी-पीले रंग के फूड्स

इसमें आप नंबर वन पर गाजर को डाइट का हिस्सा बनाएं। इसके साथ ही आप शकरकंद, कद्दू, पपीता, ऑरेंज, पपीता, पीली शिमला मिर्च, नींबू, खुबानी, जैसे फल सब्जियां डाइट में शामिल करें।

हरे रंग के फूड्स

ग्रीन कलर के फूड्स आपकी स्किन की सूजन और पिंपल्स को कम करने में हेल्पफुल रहते हैं। इनमें फोलेट, ग्लूकोसिनोलेट्स, आयरन, मैग्नीशियम, कैल्शियम जैसे मिनरल्स और विटामिन पाए जाते हैं। इससे त्वचा की पफीनेस कम होती है और इंफ्लामेशन से बढ़ने वाले वेट को भी कंट्रोल करने में मदद मिलती है।

ग्रीन कलर के फूड्स

अगर हम ग्रीन कलर के फूड्स की बात करें तो इसमें अलग-अलग हरी सब्जियां ले सकते हैं जैसे पालक, हरी मेथी, केल और बाकी के साग। इसके अलावा लेट्यूस, नाशपाती, पत्ता गोभी, ब्रोकली, धनिया, पुदीना, मटर, शिमला मिर्च, अंगूर, कीवी, करेला, खीरा, एवोकाडो, हरी मिर्च, आंवला, ग्रीन सेब, अमरूद।

नीले और पर्पल फूड्स

रेनबो डाइट में गहरे नीले और बैंगनी रंग के फल-सब्जियां भी शामिल की जाती हैं। इनमें एंथोसायनिन और पॉलीफेनॉल जैसे पावरफुल एंटीऑक्सीडेंट होते हैं जो आपकी त्वचा को ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस से बचाने और कोलेजन लॉस को रोकने में मदद करते हैं। इससे यूवी किरणों से भी स्किन का बचाव होता है। ये त्वचा के दाग-धब्बों और एजिंग के लक्षणों से बचाव करने में हेल्पफुल है।

नीले और बैंगनी फूड्स

आप अपनी डाइट में ब्लूबेरी, काले अंगूर, बैंगनी पत्ता गोभी, ब्लैकबेरी, बैंगन, जामुन, ब्लू पोटेटो, प्लम, पैशन फ्रूट, जैसी चीजों को शामिल करें।

क्यों फायदेमंद है रेनबो डाइट?

रेनबो डाइट करना मुश्किल भी नहीं है और दूसरी चीज इसके फायदे ही फायदे हैं। अलग-अलग रंग के फल और सब्जियों में कई तरह के अलग विटामिन-मिनरल्स और पावरफुल एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं। जब डेली डाइट में इन कलरफुल फूड्स को शामिल करते हैं तो त्वचा की कोशिकाएं मजबूत बनती हैं और कोलेजन भी बूस्ट होता है। इसी के साथ आपकी ओवरऑल हेल्थ भी सही रहती है और फिटनेस भी बनाए रखने में मदद मिलती है।

गलत दोस्तों की संगत से बच्चे को कैसे बचाएं?

आजकल के सोशल मीडिया के दौर में बच्चों की सही परवरिश करना किसी चैलेंज से कम नहीं है। लेकिन अगर आप कुछ आसान टिप्स अपनाएं तो बच्चे को गलत संगत से बचा सकते हैं। चलिए जानते हैं वो 5 तरीके जिनकी मदद से आप अपने बच्चे को सही गाइडेंस दे सकते हैं।

आज के समय में बच्चों की परवरिश पहले की तुलना में कहीं ज्यादा चैलेंजिंग हो गई हैय बदलती लाइफस्टाइल, बढ़ता सोशल मीडिया और दोस्तों का बढ़ता दायरा बच्चों के स्वभाव और आदतों पर गहरा असर डालता है। ऐसे में अगर बच्चे गलत दोस्तों की संगत में पड़ जाएं, तो उनका व्यवहार, पढ़ाई और भविष्य तीनों प्रभावित हो सकते हैं। कई बार माता-पिता को शुरुआत में यह समझ ही नहीं आता कि उनका बच्चा किन लोगों के साथ समय बिता रहा है और उन दोस्तों का उस पर क्या प्रभाव पड़ रहा है। यही कारण है कि बच्चों की संगत पर ध्यान देना और उन्हें सही-गलत की समझ देना हर माता-पिता की बड़ी जिम्मेदारी बन जाती है।

बच्चों की उम्र जैसे-जैसे बढ़ती है, वैसे-वैसे वे घर से बाहर ज्यादा समय बिताने लगते हैं और दोस्तों के साथ उनका जुड़ाव भी मजबूत हो जाता है। इस दौरान अगर बच्चे ऐसे दोस्तों के संपर्क में आ जाएं जो गलत आदतों की तरफ उन्हें प्रेरित करते हों, तो बच्चे भी धीरे-धीरे उसी दिशा में जाने लगते हैं। अगर आप भी अपने बच्चों को गलत संगत से बचाना चाहते हैं तो ये आर्टिकल आपके लिए है। यहां हम आपको बताएंगे कुछ ऐसी बातें जो आपको अपने बच्चों के समय रहते समझा देनी चाहिए।

बच्चों से खुलकर बातचीत करें

12 से 13 साल की उम्र बच्चों पर ज्यादा ध्यान देने की होती है। इस उम्र में उनका ब्रेन पढ़ाई के अलावा बाकी कामों में और कई चीजों में जानने में ज्यादा लगता है। अगर आपका बच्चा भी इसी स्टेज पर है तो आपको चाहिए कि वे बच्चों के साथ दोस्ताना रिश्ता रखें और रोज़ उनसे बातचीत करें। जब बच्चा अपनी समस्याएं, स्कूल की बातें और दोस्तों के बारे में खुलकर बताएगा, तो पेरेंट्स को पता रहेगा कि वह किन लोगों के साथ समय बिता रहा है। इससे समय रहते गलत संगत का पता लगाना आसान हो जाता है।

बच्चों के दोस्तों और उनके परिवार को जानें

पेरेंट्स को कोशिश करनी चाहिए कि वे बच्चों के दोस्तों से मिलें और उनके परिवार के बारे में भी जानकारी रखें। जब माता-पिता को यह पता होता है कि बच्चा किस माहौल में रहने वाले दोस्तों के साथ समय बिताता है, तो वे बेहतर तरीके से समझ सकते हैं कि वह संगत सही है या नहीं।

सही-गलत की समझ बचपन से दें

बच्चों को शुरुआत से ही अच्छे संस्कार और सही-गलत की पहचान सिखानी चाहिए। अगर बच्चा समझ जाएगा कि गलत आदतें जैसे झूठ बोलना, बुरी भाषा बोलना या गलत काम करना गलत है, तो वह खुद ही ऐसी संगत से दूरी बनाने की कोशिश करेगा। हालांकि, फिर भी आपको बच्चों से समय-समय पर उसे फ्रेंड सर्कल, पूरी दिन का ब्योर जरूर लेना चाहिए। बच्चे का भरोसा जीतना बहुत जरूरी है।

बच्चों के डेली रूटीन और एक्टिविटी पर ध्यान दें

माता-पिता को यह देखना चाहिए कि बच्चा अपना समय कैसे बिताता है। बच्चा फोन में क्या देख रहा है, किससे मिल रहा है और किस तरह का खेल खेल रहा है। इन सबपर नजर रखना भी जरूरी है। बच्चे को पढ़ाई, खेल, हॉबी या क्रिएटिव एक्टिविटी में उसे व्यस्त रखना जरूरी है। जब बच्चे का समय पॉजिटिव कामों में लगेगा, तो उसके गलत संगत में पड़ने की संभावना कम हो जाएगी।

जरूरत पड़ने पर प्यार से समझाएं और गाइडेंस

अगर माता-पिता को लगे कि बच्चा गलत संगत में पड़ रहा है, तो उसे डांटने या डराने की बजाय प्यार से समझाना चाहिए। बच्चे को यह बताएं कि कौन-सी दोस्ती उसके लिए अच्छी है और कौन-सी नुकसानदायक। सही मार्गदर्शन मिलने पर बच्चे अक्सर खुद ही सही रास्ता चुन लेते हैं।

भारतीय जहाजों की सुरक्षा पर बोली सरकार- ईरानी विदेश मंत्री और जयशंकर के बीच तीन बार हुई बात

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और समुद्री सुरक्षा को लेकर भारत और ईरान के बीच कूटनीतिक बातचीत जारी है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि हाल के दिनों में विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर और ईरान के विदेश मंत्री के बीच तीन बार बातचीत हुई है।

जायसवाल ने कहा कि दोनों नेताओं की हालिया बातचीत में समुद्री जहाजरानी की सुरक्षा और भारत की ऊर्जा सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। उन्होंने हालांकि इस बातचीत के नतीजों या संभावित फैसलों पर अधिक जानकारी देने से इनकार करते हुए कहा कि इस समय इससे आगे कुछ कहना जल्दबाजी होगी।

ईरान में मौजूद भारतीय नागरिकों की सुरक्षा पर बोले जयसवाल?

ईरान में मौजूदा हालात के बीच भारत सरकार वहां रह रहे भारतीय नागरिकों की सुरक्षा और वापसी को लेकर सक्रिय रूप से सहायता प्रदान कर रही है। जायसवाल ने बताया कि इस समय ईरान में लगभग 9,000 भारतीय नागरिक मौजूद हैं, जिनमें छात्र, नाविक, कारोबारी, पेशेवर और कुछ तीर्थयात्री शामिल हैं। उन्होंने कहा कि कई भारतीय नागरिक, खासकर छात्र, पहले ही ईरान से निकलकर अपने घर पहुंच चुके हैं। इसके अलावा तेहरान में रह रहे कई भारतीयों, जिनमें छात्र और तीर्थयात्री शामिल हैं। उन्हें एहतियातन ईरान के अन्य सुरक्षित स्थानों और शहरों में स्थानांतरित किया गया है।

भारतीय दूतावास कर रही हर संभव मदद

जायसवाल ने बताया कि जो भारतीय नागरिक ईरान छोड़कर लौटना चाहते हैं, उन्हें अजरबैजान और आर्मेनिया के रास्ते बाहर निकलने में भी मदद दी जा रही है। इसके लिए भारतीय दूतावास उनकी वीजा प्रक्रिया में सहायता कर रहा है और उन्हें जमीनी सीमाओं (लैंड बॉर्डर) को पार करने में भी मदद दी जा रही है। उन्होंने कहा कि कई भारतीय नागरिकों ने दूतावास से संपर्क किया है और उन्हें अजरबैजान और आर्मेनिया की सीमा पार कराने में सहायता दी गई है, जिसके बाद वे वहां से वाणिज्यिक उड़ानों के जरिए भारत वापस लौट रहे हैं। विदेश मंत्रालय ने इस अवसर पर ईरान में मौजूद उन सभी भारतीय नागरिकों को सलाह दी है जो भूमि सीमा के रास्ते देश छोड़ना चाहते हैं कि वे भारतीय दूतावास द्वारा जारी एडवाइजरी का पालन करें और उसी के अनुसार अपनी यात्रा की योजना बनाएं।

भारत के पास तेल की कोई कमी नहीं, पर्याप्त भंडार मौजूद : केंद्र

नई दिल्ली ,13 मार्च । भारत के रणनीतिक तेल भंडार और 40 तेल निर्यातक देशों से आपूर्ति ने यह सुनिश्चित करने में मदद की है कि देश वैश्विक ऊर्जा संकट जैसी स्थितियों का मजबूती से सामना कर पाए। यह जानकारी एक वरिष्ठ अधिकारी द्वारा गुरुवार को दी गई।

सरकारी अधिकारी ने कहा कि कहा कि देश का व्यापक आर्थिक आधार काफी मजबूत है। हमारे पास 11-12 महीनों तक सामान को आयात करने के लिए विदेशी मुद्रा भंडार मौजूद है। यह अगले पांच वर्षों के देश के तेल आयात के बिल चुकाने के लिए भी पर्याप्त है।

इसके साथ देश के पास 70 दिनों से अधिक की बाजार मांग को पूरा करने के लिए कच्चे तेल और पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स का भंडार मौजूद है। वहीं, देश ने कच्चे तेल की आपूर्ति के लिए मध्य पूर्व से निर्भरता घटाई है। अधिकारी ने कहा कि यह सरकार की इस स्थिति से निपटने की बहुसंबद्ध नीति व्यावहारिक आर्थिक कूटनीति को दर्शाता है जिसमें रूसी कच्चे तेल की खरीद, आवश्यक वस्तु अधिनियम का प्रयोग और संप्रभुता से समझौता किए बिना आपूर्ति में विविधता लाना शामिल है।

यह संकट मुद्रास्फीति की तुलना में विकास पर अधिक प्रभाव डालता है, जिससे सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को व्यापक आर्थिक स्थिरता बनाए रखने के लिए नीतिगत लचीलापन प्राप्त होता है।

भारत की मुद्रास्फीति दर लगभग 2.75 प्रतिशत है, जो प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे कम है। रूस से कच्चे तेल के आयात, ईंधन कर में लचीलेपन और एलपीजी की विनियमित कीमतों के कारण उपभोक्ताओं के लिए पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतें नियंत्रण में बनी हुई हैं।

उदाहरण के लिए, जापान में मुद्रास्फीति दर 5 प्रतिशत है और यह सुदूर पूर्वी देश होर्मुज जलडमरूमध्य से निर्यात होने वाले कच्चे तेल पर 75 से 90 प्रतिशत तक निर्भर है। दूसरी ओर, भारत ने होर्मुज जलडमरूमध्य से आने वाली आपूर्ति पर अपनी निर्भरता को काफी कम करने के लिए अन्य देशों से ऊर्जा आयात में विविधता लाई है, जो पहले लगभग 50 प्रतिशत थी और बाद में घटकर 20 प्रतिशत हो गई।

पश्चिमी दबाव के बावजूद, भारत रियायती दरों पर रूसी कच्चे तेल की खरीद जारी रखे हुए है, जो कुल आयात का लगभग एक तिहाई है। अधिकारी ने बताया कि इराक, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और अमेरिका जैसे अन्य देशों से भी तेल आयात किया जा रहा है, जो राजनीतिक गठबंधन के बजाय विविधीकरण को दर्शाता है।

भारत के पास दो महीने से अधिक का भंडार है, जबकि पाकिस्तान, बांग्लादेश और श्रीलंका जैसे पड़ोसी देशों के पास केवल 30 दिन या उससे भी कम का भंडार है। परिणामस्वरूप, पाकिस्तान में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 55 रुपए प्रति लीटर की भारी वृद्धि हुई है, वहीं श्रीलंका में भी घबराहट में खरीदारी के चलते ईंधन की कीमतें बढ़ा दी गई हैं और बांग्लादेश को ऊर्जा राशनिंग लागू करने के लिए मजबूर होना पड़ा है।

मिडिल ईस्ट तनाव के बीच एयर इंडिया ने डीजीसीए से उड़ान ड्यूटी नियमों में राहत की मांग की

मिडिल ईस्ट में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच एयर इंडिया ने विमानन नियामक डीजीसीए से फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन (एफडीटीएल) नियमों में अस्थायी ढील देने की मांग की है। गुरुवार को एक रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई।

एनडीटीवी प्रॉफिट की रिपोर्ट के मुताबिक, टाटा ग्रुप के स्वामित्व वाली एयर इंडिया ने डीजीसीए से अनुरोध किया है कि कुछ लंबी दूरी की उड़ानों को तीन पायलट की बजाय दो पायलट के साथ संचालित करने की अनुमति दी जाए। इसके साथ ही अधिकतम उड़ान समय की सीमा बढ़ाने की भी मांग की गई है।

एनडीटीवी प्रॉफिट के सूत्रों के अनुसार, एयर इंडिया ने उड़ान के अनुमत समय में 1 घंटा 3 मिनट की बढ़ोतरी की मांग की है। इससे अधिकतम उड़ान समय 10 घंटे से बढ़कर करीब 11 से 11.5 घंटे हो जाएगा।

इसके अलावा एयरलाइन ने अधिकतम फ्लाइट ड्यूटी पीरियड (एफडीपी) को भी बढ़ाने का अनुरोध किया है। इसके तहत ड्यूटी समय 13 घंटे से बढ़ाकर 14 घंटे 45 मिनट करने की मांग की गई है, यानी करीब 1 घंटा 45 मिनट की अतिरिक्त अवधि।

रिपोर्ट के अनुसार, क्षेत्र के कई हिस्सों में हवाई क्षेत्र प्रतिबंधित होने और पाकिस्तान का एयरस्पेस भारतीय एयरलाइंस के लिए बंद रहने के कारण उड़ानों को लंबा रास्ता लेना पड़ रहा है।

इन परिस्थितियों में एयरलाइंस को अरब सागर, मध्य एशिया और अफ्रीका के कुछ हिस्सों के ऊपर से होकर लंबा रास्ता अपनाना पड़ रहा है, जिससे उड़ान का समय काफी बढ़ गया है।

इस कारण ईंधन की खपत भी बढ़ रही है और क्रू की ड्यूटी समय सीमा पर अतिरिक्त दबाव पड़ रहा है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि डीजीसीए ने हाल ही में भारतीय एयरलाइंस को मध्य पूर्व के 11 देशों के हवाई क्षेत्र से बचने की सलाह दी है, क्योंकि इन्हें उच्च जोखिम वाले क्षेत्र के रूप में चिन्हित किया गया है।

एयर इंडिया के लिए ईरान और इराक के हवाई क्षेत्र से बचने के कारण कई लंबी दूरी की उड़ानों का समय काफी बढ़ गया है। इसी वजह से एयरलाइन को इस सप्ताह कई उड़ानें रद्द भी करनी पड़ी हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, एयर इंडिया का यह प्रस्ताव फिलहाल डीजीसीए के पास विचाराधीन है और नियामक इसकी जांच कर रहा है।

अधिकारियों ने बताया कि विमानन उद्योग की अन्य कंपनियां भी इसी तरह की रूट संबंधी चुनौतियों का सामना कर रही हैं, लेकिन फिलहाल इंडिगो की ओर से डीजीसीए को ऐसा कोई अनुरोध नहीं मिला है।

हालांकि रिपोर्ट में कहा गया है कि एयर इंडिया ने इस मामले में क्रू की थकान से जुड़े संभावित मुद्दों पर पूछे गए सवालों का तुरंत जवाब नहीं दिया।

नीदरलैंड के यहूदी स्कूल में धमाका, मेयर ने बताया सोची–समझी साजिश

एम्स्टर्डम। नीदरलैंड के एम्स्टर्डम में शनिवार तड़के यहूदी समुदाय से जुड़े एक स्कूल में विस्फोट हुआ, जिससे इमारत को नुकसान पहुंचा। स्काई न्यूज ने डच मीडिया के हवाले से बताया कि एम्स्टर्डम की मेयर फेम्के हालसेमा ने इस घटना को यहूदी समुदाय को निशाना बनाकर किया गया हमला बताया है। उन्होंने कहा कि एम्स्टर्डम में यहूदी लोग लगातार बढ़ती यहूदी-विरोधी घटनाओं का सामना कर रहे हैं, जो पूरी तरह अस्वीकार्य है।

पुलिस और दमकल विभाग ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को जल्द काबू में कर लिया। हालांकि, अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि इस घटना में कोई हताहत हुआ है या नहीं।

पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच हुआ हमला

यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब पश्चिम एशिया में तनाव चरम पर है। अमेरिका और इस्राइल एक ओर, जबकि ईरान और हिजबुल्ला दूसरी ओर आमने-सामने हैं, और क्षेत्र में लगातार बमबारी व सैन्य कार्रवाई जारी है।

एक दिन पहले हुआ विस्फोट

एम्स्टर्डम की यह घटना रॉटरडैम में एक दिन पहले हुए विस्फोट के बाद सामने आई है। शुक्रवार तड़के डच बंदरगाह शहर रॉटरडैम में एक सिनेगॉग के प्रवेश द्वार पर विस्फोट हुआ, जिससे वहां मामूली आग लग गई। पुलिस ने इस मामले को आगजनी मानते हुए जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों के मुताबिक, इस हमले में कोई घायल नहीं हुआ और आग पर जल्द काबू पा लिया गया।

किसने ली हमले की जिम्मदारी?

बाद में पुलिस ने रॉटरडैम में एक अन्य सिनेगॉग के पास एक कार में सवार चार किशोरों को हिरासत में लिया। वहीं, नीदरलैंड के एक यहूदी संगठन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दावा किया कि एक इस्लामवादी समूह ने रॉटरडैम विस्फोट का वीडियो ऑनलाइन पोस्ट कर हमले की जिम्मेदारी ली है। संगठन का कहना है कि इसी समूह ने सप्ताह की शुरुआत में बेल्जियम के लीज शहर में एक सिनेगॉग पर हुए हमले की जिम्मेदारी भी ली थी।

यूएस-दक्षिण कोरिया के अभ्यास के बीच उत्तर कोरिया ने दागी 10 मिसाइलें! जापान अलर्ट

सियोल, एजेंसी। उत्तर कोरिया ने शनिवार को पूर्वी सागर की ओर करीब 10 बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। दक्षिण कोरिया की सेना ने कहा कि यह प्रक्षेपण ऐसे समय किया गया, जब दक्षिण कोरिया और अमेरिका के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास जारी है।

दक्षिण कोरिया के जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ (JCS) के मुताबिक, मिसाइलें प्योंगयांग के पास सुनान क्षेत्र से दागी गईं। शुरुआती जानकारी के अनुसार, इन मिसाइलों ने लगभग 350 किलोमीटर तक उड़ान भरी। जापान के रक्षा मंत्रालय ने भी पुष्टि की कि ये हथियार जापान के विशेष आर्थिक क्षेत्र (EEZ) के बाहर समुद्र में गिरे और किसी नुकसान की खबर नहीं है।

दक्षिण कोरिया ने निगरानी बढ़ाई

दक्षिण कोरियाई सेना ने कहा है कि उसने निगरानी बढ़ा दी है और किसी भी अतिरिक्त लॉन्च की आशंका को देखते हुए पूरी तैयारी बनाए रखी है। सियोल, वॉशिंगटन और टोक्यो इस घटनाक्रम को लेकर आपस में सूचनाएं साझा कर रहे हैं।

क्या हो सकती है इस प्रक्षेपण की वजह?

यह मिसाइल परीक्षण ऐसे वक्त हुआ है, जब अमेरिका और दक्षिण कोरिया का वार्षिक फ्रीडम शील्ड सैन्य अभ्यास 9 मार्च से 19 मार्च 2026 तक चल रहा है। इस अभ्यास का मकसद दोनों देशों की संयुक्त सैन्य क्षमता और युद्धक तैयारियों को परखना बताया गया है। उत्तर कोरिया लंबे समय से अमेरिका-दक्षिण कोरिया के संयुक्त सैन्य अभ्यासों को हमले की तैयारी बताता रहा है। इसी पृष्ठभूमि में किम जोंग उन की बहन किम यो जोंग ने हाल ही में चेतावनी दी थी कि अगर उत्तर कोरिया की सुरक्षा को चुनौती दी गई तो इसके भयानक परिणाम होंगे।

तनाव इसलिए भी बढ़ा हुआ है क्योंकि पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच दक्षिण कोरिया में तैनात अमेरिकी मिसाइल रक्षा प्रणालियों, जैसे THAAD और पैट्रियट, के संभावित पुनर्स्थापन को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं। हालांकि सियोल ने कहा है कि इससे उत्तर कोरिया के खिलाफ सहयोगी देशों की रक्षा स्थिति पर असर नहीं पड़ेगा।

2019 में अमेरिका और उत्तर कोरिया के बीच परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत ठप पड़ने के बाद से प्योंगयांग लगातार मिसाइल और हथियार परीक्षणों के जरिए दबाव की राजनीति करता रहा है। ताजा लॉन्च को भी संयुक्त सैन्य अभ्यास के जवाब में शक्ति प्रदर्शन के तौर पर देखा जा रहा है।

दक्षिण कोरिया और उत्तर कोरिया के रिश्ते सुधारने की कोशिश जारी

इस बीच, उत्तर कोरिया के साथ रुके हुए संवाद को फिर से शुरू करने की कोशिशें भी जारी हैं। गुरुवार (12 मार्च) को दक्षिण कोरिया के प्रधानमंत्री ने वाशिंगटन में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात की। इस बैठक में उत्तर कोरिया के साथ 2019 से ठप पड़े संवाद को दोबारा शुरू करने के तरीकों पर चर्चा की गई। दोनों पक्षों ने क्षेत्रीय तनाव कम करने और बातचीत की संभावनाओं को आगे बढ़ाने की इच्छा जताई है।

ईरान ने अपने खतरनाक मिसाइल शहर की दिखाई झलक, आत्मघाती ड्रोन्स से होर्मुज ब्लॉक करने की तैयारी

तेहरान, एजेंसी। ईरान की सेना ने गुरुवार को अपने आत्मघाती ड्रोन्स के बेड़े की झलक दिखाई, जिनके दम पर ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य को पूरी तरह से बाधित करने की योजना बना रहा है। ईरान के सरकारी टीवी ने एक भूमिगत परिसर के अंदर फिल्माए गए फुटेज जारी किए। इस भूमिगत परिसर को ईरानी अधिकारी मिसाइल शहर बता रहे हैं। ईरान ने जो वीडियो जारी किया है, उसमें बड़ी संख्या में नौसैनिक ड्रोन, जहाज रोधी मिसाइलें दिखाई दे रही हैं। अतिरिक्त फुटेज में कुछ हथियारों को दागते हुए भी दिखाया गया है। हालांकि ये साफ नहीं है कि ये रिकॉर्डिंग कब की है। वीडियो में दिख रहा है कि भूमिगत सुरंग में नौसेना के ड्रोन, जिन्हें यूएसवी भी कहा जाता है, बड़ी संख्या में हैं। गौरतलब है कि ये ड्रोन पहले से ही फारस की खाड़ी में तेल टैंकरों पर हमले कर रहे हैं, जिससे होर्मुज में रणनीतिक रूप से अहम शिपिंग मार्ग आंशिक रूप से बाधित चल रहा है। ये छोटे यान पानी की सतह पर या पानी के नीचे चलते हैं। ये विस्फोटक से भरे होते हैं और तेल टैंकरों से टकराते ही फट जाते हैं। 1 मार्च को ओमान के तट के पास एक कच्चे तेल के टैंकर को ऐसे ही ड्रोन्स की मदद से निशाना बनाया गया था। इस हमले में तेल टैंकर में विस्फोट के साथ आग लग गई थी और चालक दल के एक सदस्य की मौत हो गई थी। इसी तरह कई अन्य जहाजों पर हमले के लिए भी ईरान ने इन्हीं ड्रोन का इस्तेमाल किया है। ईरान के कामीकेज ड्रोन्स, जिन्हें आत्मघाती ड्रोन्स या शाहेद ड्रोन्स भी कहा जाता है। ये कितने खतरनाक है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि ये ड्रोन 2000 किलोमीटर दूरी तक विस्फोटक ले जाने में सक्षम हैं।

अमेरिका में SIR जैसा कानून: वोट करने के लिए देना होगा नागरिकता का सबूत, ईरान जंग के बीच ट्रंप ला रहे सेवा एक्ट

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की ट्रंप सरकार, ईरान के खिलाफ युद्ध छेड़ने के लिए आलोचकों के निशाने पर है। इसके साथ ही घरेलू मोर्चे पर भी ट्रंप प्रशासन घिरा हुआ है और इसकी वजह है SAVE कानून ('सेफगार्ड अमेरिकन वोटर एलिजिबिलिटी एक्ट')। इस कानून के तहत अमेरिका में भी अब लोगों को मतदाता के तौर पर पंजीकरण कराने के लिए अपनी नागरिकता का सबूत देना होगा। यह भारत की एसआईआर प्रक्रिया जैसा ही है। यही वजह है कि इसकी तुलना एसआईआर से की जा रही है।

राष्ट्रपति ट्रंप का कहना है कि वे अमेरिकी चुनावी प्रक्रिया का राष्ट्रीयकरण करना चाहते हैं। अभी अमेरिका की चुनाव प्रक्रिया एक संघीय प्रणाली है जिसमें संविधान प्रत्येक राज्य को अपने-अपने तरीके

से चुनाव कराने की छूट देता है। हालांकि अमेरिकी संविधान में प्रावधान है कि अमेरिकी कांग्रेस चुनाव नियमों में बदलाव कर सकती है। अब राष्ट्रपति ट्रंप अपने विधायी बहुमत के दम पर चुनाव प्रक्रिया को बदलने की कोशिश कर रहे हैं। ट्रंप का मानना है कि चुनाव प्रक्रिया में बदलाव के बाद रिपब्लिकन पार्टी लंबे समय तक सत्ता में रहेगा।

मतदाता पंजीकरण के लिए नागरिकता प्रमाण देना जरूरी होगा

प्रस्तावित कानून में मतदाता पंजीकरण के लिए नागरिकता के प्रमाण के रूप में अपडेट ड्राइवर लाइसेंस, एक वैध अमेरिकी पासपोर्ट, या जन्म प्रमाण के साथ कोई अन्य वैध सरकारी फोटो आईडी या नागरिकता का प्रमाण दिखाना अनिवार्य होगा। अभी ईमेल के जरिए भी मतदाता पंजीकरण हो सकता है, लेकिन नए कानून के तहत लोगों को व्यक्तिगत तौर पर चुनाव अधिकारी कार्यालय जाकर पंजीकरण कराना होगा और अपने वैध दस्तावेज पेश करने होंगे। साथ ही अमेरिका के हर राज्यों को अपने मतदाताओं की सूची अमेरिकी सुरक्षा विभाग के पास जमा करनी होगी। अमेरिकी सुरक्षा विभाग अपने डेटाबेस से इस मतदाता सूची का मिलान करेगा। साफ है कि इस प्रक्रिया से अमेरिका में चुनाव प्रक्रिया केंद्रीकृत होगी।

जल्द सीनेट में पेश होगा विधेयक

'सेफगार्ड अमेरिकन वोटर एलिजिबिलिटी एक्ट' (SAVE Act) फरवरी में प्रतिनिधि सभा द्वारा पारित किया गया था और अब यह जल्द सीनेट में पेश किया जाएगा। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच, राष्ट्रपति ट्रंप और उनके सहयोगियों इसे पारित करने के लिए दबाव बना रहे हैं। वर्तमान में सीनेट में रिपब्लिकन का बहुमत है, 53-47, और प्रतिनिधि सभा में डेमोक्रेट के 213 के मुकाबले 219 सीटें हैं। हालांकि कई रिपब्लिकन सांसद भी इसके विरोध में हैं।

लाखों लोगों के मताधिकार से वंचित होने का खतरा

विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी इसके विरोध में है। डेमोक्रेट नेताओं का कहना है कि वे विधेयक को सीनेट में पारित नहीं होने देंगे। मतदान अधिकार कार्यकर्ताओं और नागरिक समाज संगठनों का कहना है कि इस तरह का दस्तावेजीकरण लाखों लोगों को मताधिकार से वंचित कर देगा और खासकर अल्पसंख्यक समुदायों के सदस्यों पर इसका विपरीत असर पड़ेगा। एक सर्वेक्षण से पता चलता है कि दस मतदाताओं में से एक मतदाता जन्म प्रमाण पत्र, पासपोर्ट या नागरिकता प्रमाण पत्र जैसे दस्तावेज पेश नहीं कर सकेगा। वहीं राष्ट्रपति ट्रंप का मानना है कि डेमोक्रेटिक पार्टी जानबूझकर गैर-नागरिकों को मतदान का अधिकार दे रही है और यह अमेरिका की जनसांख्यिकीय संरचना को बदलने की एक साजिश है। वह इसे रोकने के लिए SAVE एक्ट को जरूरी बता रहे हैं।

'बीजेपी हमारी वैचारिक दुश्मन', गठबंधन की अटकलों के बीच विजय की पार्टी टीवीके का बड़ा बयान

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 2026 की सरगर्मियां तेज हो गई हैं। इसी बीच अभिनेता विजय के नेतृत्व वाली तमिलगा वेत्री कड़गम (टीवीके) ने शनिवार को अन्नाद्रमुक के नेतृत्व वाले एनडीए के साथ गठबंधन से इनकार कर दिया है। टीवीके ने कहा है कि उनका बीजेपी या एनडीए के साथ जाने का कोई इरादा नहीं है। पार्टी नेतृत्व ने इन खबरों को केवल मीडिया की अटकलें बताया है।

गठबंधन की खबरों को बताया अफवाह

टीवीके के संयुक्त महासचिव सी टी आर निर्मल कुमार ने एनडीए के साथ गठबंधन की खबरों को पूरी तरह से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि पार्टी के जिला सचिवों के साथ हुई बैठक का मकसद केवल संगठन की मजबूती को परखना था। उन्होंने साफ किया कि बीजेपी के साथ चुनावी समझौता करने का कोई सवाल ही नहीं उठता। निर्मल कुमार ने इन खबरों को महज अफवाह बताया और कार्यकर्ताओं से इन पर ध्यान न देने की अपील की है।

बीजेपी को बताया वैचारिक दुश्मन

पार्टी की ओर से जारी बयान में बीजेपी पर तीखा हमला बोला गया है। निर्मल कुमार ने कहा कि हमने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि बीजेपी हमारी वैचारिक दुश्मन है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या बीजेपी विजय को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार स्वीकार करेगी। टीवीके का कहना है कि इस तरह की खबरें लोगों का ध्यान असली मुद्दों से भटकाने के लिए फैलाई जा रही हैं। पार्टी सदस्यों को केवल आधिकारिक बयानों पर ही भरोसा करने की सलाह दी गई है।

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष ने साधी चुप्पी

दूसरी ओर बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन इस मुद्दे पर सीधा जवाब देने से बचते नजर आए। जब पत्रकारों ने उनसे टीवीके के साथ गठबंधन की बातचीत पर सवाल पूछा तो उन्होंने कोई साफ जवाब नहीं दिया। नागेंद्रन ने कहा कि गठबंधन की चिंता करने के बजाय वह जनता के मुद्दों पर ध्यान दे रहे हैं। उन्होंने राज्य की कानून व्यवस्था और महिलाओं की सुरक्षा जैसे मुद्दों को ज्यादा अहम बताया।

पार्टी के अंदर गठबंधन की मांग

सूत्रों के अनुसार, टीवीके के जिला सचिवों ने पार्टी महासचिव एन आनंद को सुझाव दिया कि अगर पार्टी गठबंधन करके चुनाव लड़ती है तो जीत की संभावनाएं बढ़ सकती हैं। हालांकि पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने फिलहाल अकेले चलने या बीजेपी के खिलाफ रहने का ही संकेत दिया है। टीवीके ने अपने कार्यकर्ताओं से अपील की है कि वे सोशल मीडिया पर चल रही भ्रामक खबरों से दूर रहें।

'डिमॉनेटाइजेशन जैसी कतारें', एलपीजी संकट पर संजय राउत ने पूछा– पीएम मोदी कहां हैं?

मुंबई, एजेंसी। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने शनिवार को एलपीजी सिलेंडरों की कमी को लेकर केंद्र और महाराष्ट्र सरकार पर जमकर निशाना साधा और उन पर झूठी कहानी फैलाने और समस्या का समाधान करने के बजाय चुनाव प्रचार में व्यस्त रहने का आरोप लगाया। संजय राउत ने दावा किया कि कमी के कारण 40 प्रतिशत होटल उद्योग ठप हो गया है और लोग सिलेंडरों के लिए लंबी कतारों में खड़े हैं, जबकि सरकार चुप है। संजय राउत ने मौजूदा स्थिति के लिए भाजपा की अंतरराष्ट्रीय राजनीति में विफलता को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि राज्य और केंद्र दोनों स्तरों पर सरकारें अफवाहें फैला रही हैं कि सब कुछ सुचारू रूप से चल रहा है। दूसरी ओर, भाजपा नेता इस समय दक्षिण में चुनाव प्रचार में व्यस्त हैं। 40 प्रतिशत होटल उद्योग ठप हो गया है। फिर भी, उपमुख्यमंत्री फडणवीस, प्रधानमंत्री और गृह मंत्री ने इस बारे में एक शब्द भी नहीं कहा है। नोटबंदी के दौरान जिस तरह कतारें लगी थीं, वैसी ही कतारें अब लग रही हैं। उन्होंने आगे कहा कि यह सब इसलिए हो रहा है क्योंकि यह सरकार अंतरराष्ट्रीय राजनीति के क्षेत्र में विफल साबित हुई है। आप ईरान के साथ किस चेहरे के साथ बातचीत करने का इरादा रखते हैं? तटस्थ रुख अपनाना और ईरान को नैतिक समर्थन देना अनिवार्य है; हमारे राजनयिक संबंध केवल तेल टैंकरों की रिहाई में मदद करने तक सीमित नहीं हैं। भाजपा पर और हमला करते हुए उन्होंने कहा कि दिल्ली में 'नरेंद्र भाई गायब, सिलेंडर गायब' का नारा जोर-शोर से गूंज रहा है। इस पर चर्चा करने के लिए कौन बैठक बुलाएगा? प्रधानमंत्री फिलहाल उपलब्ध नहीं हैं। इससे पहले, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने आश्वासन दिया कि पूरे देश में पेट्रोल और डीजल की पर्याप्त उपलब्धता है, जबकि एलपीजी की स्थिति सरकार के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। मंत्रालय में संयुक्त सचिव (विपणन एवं तेल शोधन) सुजाता शर्मा ने बताया कि 5 मार्च की तुलना में घरेलू एलपीजी उत्पादन में 30 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि आपूर्ति को मजबूत करने के लिए देश की रिफाइनरियां वर्तमान में 30 प्रतिशत अधिक एलपीजी का उत्पादन कर रही हैं।

मणिपुर में बम धमाका : चार साल के बच्चे की मौत, पिता गंभीर रूप से घायल

नई दिल्ली, एजेंसी। मणिपुर के नोनी जिले में शनिवार सुबह हुए बम विस्फोट में एक चार वर्षीय बच्चे की मौत हो गई, जबकि उसके पिता गंभीर रूप से घायल हो गए। यह घटना जिले के ताओलिंगपुंग गांव में सामने आई, जिससे इलाके में दहशत फैल गई। पुलिस और स्थानीय सूत्रों के अनुसार घटना सुबह करीब 8:30 बजे नामकाओलोंग पार्ट-2 इलाके में यह हादसा उस समय हुआ, जब बच्चों के हाथ लगा एक संदिग्ध विस्फोटक अचानक फट गया। बताया जा रहा है कि बच्चे उसे घर लेकर आए थे और पिता उसे सुरक्षित तरीके से नष्ट करने की कोशिश कर रहे थे। मृतक बच्चे की पहचान कलाइंगामपौ पामेई (4) के रूप में हुई है। उसके पिता थुआनकुंगाम पामेई (40), विस्फोट में बुरी तरह घायल हो गए। बताया जाता है कि विस्फोटक को फेंकने या नष्ट करने के दौरान उनका पैर फिसल गया, जिससे धमाका हो गया। धमाका इतना तेज था कि पास खड़े बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई,जबकि पिता के दोनों पैरों में गंभीर चोटें आईं। घायल को तुरंत इंफाल स्थित अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। यह घटना खौपुम थाना क्षेत्र के अंतर्गत हुई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि विस्फोटक आखिर बच्चों के हाथ कैसे लगा। अधिकारियों ने कहा कि घटना की विस्तृत जांच की जा रही है।

फिल्म भूत बंगला का टीजर जारी ; अक्षय कुमार की कॉमेडी, डर और पागलपन करेगा लोटपोट

2007 में रिलीज भूल-भुलैया के बाद, अक्षय कुमार एक और हॉरर-कॉमेडी फिल्म भूत बंगला के साथ लौट रहे हैं। प्रियदर्शन के निर्देशन में बनी इस फिल्म का टीजर जारी कर दिया गया है। जैसा कि फैंस उम्मीद कर रहे थे, इसमें हंसी, मजेदार पंच, डर और पागलपन की भरपूर डोज शामिल है जो देखने वालों को लोटपोट कर देगी। बता दें, बालाजी मोशन पिक्चर्स ने केप ऑफ गुड फिल्म्स के साथ मिलकर भूत बंगला का निर्माण किया है।

अक्षय की कॉमेडी हमेशा से जबरदस्त रही है और भूत बंगला के टीजर में उन्होंने यह फिर साबित किया है। कॉमेडी, हंसी और जबरदस्त पंचलाइन्स से भरपूर यह टीजर फिल्म की अनोखी हॉरर-कॉमेडी दुनिया का माहौल सेट कर देता है। 1 मिनट 23 सेकंड्स का ये टीजर शुरू होते ही ढेर सारे सरप्राइज और ड्रामा लेकर आता है। अक्षय कुमार, परेश रावल, तब्बू, राजपाल यादव और वामिका गब्बी जैसे सितारों ने झलक भर ने फैंस को एक्साइटेड कर दिया है। रिलीज होते ही टीजर ने इंटरनेट पर तबाही मचा दी है। उनके साथ वामिका गब्बी, परेश रावल, राजपाल यादव, तब्बू, राजेश शर्मा, मिथिला पालेकर और असरानी जैसे कलाकारों ने डर और कॉमेडी का लेवल बढ़ाया है। टीजर के जरिए निर्माताओं ने डर को थोड़ा छिपाकर रखा है, लेकिन आने वाले इस ड्रामे को लेकर लोगों की उत्सुकता को बढ़ा दिया है। कुल मिलाकर फिल्म फुल एंटरटेनर होने का दावा करती है।

टीजर देखते ही यूजर्स अपनी एक्साइटमेंट पर कंट्रोल नहीं कर पा रहे हैं। एक यूजर ने कहा, मजेदार टीजर सर। पसंद आई। एक ने लिखा, पुरानी यादें ताजा हो गईं। 10 अप्रैल को मजा आने वाला है। एक ने कहा, अक्षय कुमार ब्लॉकबस्टर है। एक यूजर ने लिखा, असली भूल भुलैया 2। किसी ने अक्षय की कॉमिक टाइमिंग को पसंद किया तो कोई ओजी स्टारकास्ट को लेकर एक्साइटेड हैं। प्रियदर्शन और अक्षय कुमार पूरे 14 साल के लंबे गैप के बाद साथ में वापसी कर रहे हैं। सालों से इस जोड़ी ने हिंदी सिनेमा को ऐसी यादगार और बेहतरीन कॉमेडी फिल्में दी हैं जिन्हें लोग आज भी बड़े चाव से देखते हैं। बालाजी मोशन पिक्चर्स के बैनर तले बनी भूत बंगला दिवंगत अभिनेता इसरानी की आखिरी फिल्म है।

कृतिका–गौरव की रिसेप्शन पार्टी में दिखे मलाइका और हर्ष, कैमरों से बचते नजर आए रूमर्ड कपल

मलाइका अरोड़ा हाल ही में कृतिका कामरा और गौरव कपूर की वेडिंग पार्टी में नजर आईं। इस दौरान उनके साथ रूमर्ड बॉयफ्रेंड हर्ष मेहता भी पहुंचे, लेकिन दोनों ने पैपराजी के सामने एक साथ पोज देने से दूरी बनाए रखी। लेकिन, हर्ष की पार्टी में एंट्री लेने की वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है।

बॉलीवुड की ग्लैमरस डिवा मलाइका अरोड़ा एक बार फिर अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में वो एक्ट्रेस कृतिका कामरा और टीवी होस्ट गौरव कपूर की वेडिंग पार्टी में नजर आईं, लेकिन इस पार्टी की सबसे ज्यादा चर्चा किसी और वजह से हो रही है। दरअसल, इस इवेंट में मलाइका के साथ उनके रूमर्ड बॉयफ्रेंड हर्ष मेहता भी पहुंचे थे। हालांकि, दोनों एक ही पार्टी में मौजूद थे, लेकिन दिलचस्प बात ये रही कि उन्होंने कैमरों के सामने एक साथ पोज देने से दूरी बनाए रखी, जिससे सोशल मीडिया पर चर्चा और तेज हो गई।

मुंबई में ऑर्गेनाइज इस स्टार-स्टडेड कृतिका कामरा और गौरव कपूर की वेडिंग रिसेप्शन में फिल्म और टीवी इंडस्ट्री के कई जाने-माने चेहरे शामिल हुए। पार्टी में मलाइका अरोड़ा हमेशा की तरह अपने ग्लैमरस अंदाज में नजर आईं और उन्होंने रेड कार्पेट पर पैपराजी के लिए जमकर पोज दिए। वहीं दूसरी तरफ उनके रूमर्ड बॉयफ्रेंड हर्ष मेहता ने कैमरों से दूरी बनाकर रखी। बताया जा रहा है कि वो चुपचाप पार्टी में पहुंचे और पैपराजी से बचने के लिए मेन एंट्री की बजाय पीछे के रास्ते से अंदर जाते नजर आए।

वीडियो हो रहा वायरल

इस पूरे वाकये का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि हर्ष मेहता कैमरों से बचने की कोशिश करते हुए जल्दी-जल्दी वेन्यू में एंट्री लेते हैं। हालांकि, पैपराजी की नजर से बच पाना उनके लिए आसान नहीं रहा और कैमरों में उनकी झलक कैद हो ही गई। दूसरी ओर मलाइका ने पूरे कॉन्फिडेंस के साथ रेड कार्पेट पर एंट्री ली और अपने स्टाइलिश सिल्वर आउटफिट में सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया।

पहले दिखे हैं साथ

मलाइका अरोड़ा की लव लाइफ अक्सर चर्चा में रहती है। पहले उनका नाम एक्टर अर्जुन कपूर के साथ जुड़ता रहा, लेकिन पिछले कुछ समय से उनके और हर्ष मेहता के डेटिंग की खबरें सामने आ रही हैं। दोनों को कई बार एक साथ इवेंट्स और पार्टियों में देखा गया है, हालांकि अब तक दोनों में से किसी ने भी अपने रिश्ते को ऑफिशियल तौर पर कंफर्म नहीं किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, हर्ष मेहता पेशे से एक डायमंड मर्चेंट हैं और पिछले कुछ महीनों में मलाइका के साथ उनकी कई तस्वीरें और वीडियोज सामने आ चुके हैं।

अटकलों को हवा दी

दोनों को पहली बार एक कॉन्सर्ट में साथ देखा गया था, जिसके बाद से उनके रिश्ते की चर्चाएं शुरू हो गई थीं। अब वेडिंग पार्टी से सामने आए इस नए वीडियो ने एक बार फिर मलाइका और हर्ष के रिश्ते की अटकलों को हवा दे दी है। हालांकि दोनों ने कैमरों के सामने दूरी बनाए रखी, लेकिन एक ही पार्टी में उनकी मौजूदगी ने फैंस की जिज्ञासा और बढ़ा दी है कि आखिर इनके रिश्ते की सच्चाई क्या है।

रानी मुखर्जी की फिल्म मर्दानी 3 की ओटीटी रिलीज से उठा पर्दा, 27 मार्च से नेटफ्लिक्स पर दहाड़ेंगी शिवानी शिवाजी राय

रानी मुखर्जी की पावर-पैक परफॉर्मेंस वाली फिल्म मर्दानी 3 सिनेमाघरों में बजट निकालने के बाद अब डिजिटल प्लेटफॉर्म पर दस्तक देने के लिए तैयार है। 30 जनवरी को रिलीज हुई इस फिल्म ने बॉर्डर 2 जैसी बड़ी फिल्म के साथ बॉक्स ऑफिस पर कड़े मुकाबले का सामना किया, लेकिन इसके बावजूद यह फिल्म अपनी थिएटर में मजबूती से टिकी रही। अब रिलीज के लगभग दो महीने बाद प्रशंसक इसकी ओटीटी रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

यशराज फिल्म्स की इस क्राइम थ्रिलर का नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होना तय हो चुका है। हालांकि मेकर्स की ओर से अभी तक किसी आधिकारिक तारीख की घोषणा नहीं की गई है, लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म 27 मार्च को ओटीटी पर रिलीज हो सकती है। हालांकि इस संबंध में वाईआरएफ की ओर से पुष्टि होना अभी बाकी है, लेकिन डिजिटल प्रीमियर को लेकर दर्शकों के बीच भारी उत्साह देखा जा रहा है।

कमाई के आंकड़ों पर नजर डालें तो मर्दानी 3 ने बॉक्स ऑफिस पर एक ठीक-ठाक सफर तय किया है। फिल्म कमाई के मामले में खासा कमाल नहीं कर सकी, लेकिन क्रिटिक्स ने काफी तारीफें कीं। फिल्म ने अपने थिएटर रन के 41वें दिन तक करीब 50.78 करोड़ रुपये का नेट और 60.25 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन कर लिया है। इसके बजट पर गौर करें तो ये 60 करोड़ के करीब था। एक महिला प्रधान एक्शन फिल्म के लिए खासकर कड़े कॉम्पिटिशन के बीच इतनी कमाई भी कर पाना सम्मानजनक है। दुनिया भर में कमाई के आंकड़ों पर नजर डालें तो ये 75 करोड़ रुपये है।

मर्दानी फ्रेंचाइजी की तीसरी किस्त में रानी मुखर्जी एक बार फिर सीनियर कॉप शिवानी शिवाजी रॉय के दमदार अंदाज में नजर आईं। समीक्षकों ने फिल्म को काफी सराहा है, जहां इंडिया टीवी ने इसे 5 में से 3.5 स्टार दिए हैं। समीक्षा के अनुसार रानी मुखर्जी इस फिल्म की आत्मा हैं और उन्होंने शिवानी के किरदार को एक नई ऊंचाई दी है। फिल्म में उनके एक्शन सीन्स और जटिल अपराधों को सुलझाने के उनके बेखौफ तरीके ने दर्शकों को काफी प्रभावित किया है। यह फिल्म न केवल एक थ्रिलर है, बल्कि फिल्म जगत में रानी मुखर्जी की स्थिति को एक भरोसेमंद अभिनेत्री के रूप में और मजबूत करती है।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित ।
शाखा कार्यालयः S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा।
RNI No: UPHIN/2014/57034
Website: aryavartkranti.com
*सम्पादकः प्रभात पांडेय
सम्पर्कः 9839909595, 8765295384
Email: aryavartkrantidainik@gmail.com